दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली | गुरुवार 29 जनवरी -2026 • वर्ष : 11 अंक : 40 पेज -08 • RNI NO. DELHIN/2015/65364 • मूल्य : ₹3

उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान हादसे में निधन

पीएम अंतिम संस्कार में शामिल होंगे

बारामती: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत की खबर से पूरे देश में दुख की लहर दौड़ पड़ी है। पवार की आज सुबह एक विमान हादसे में मौत हो गई है। सुबह 8:45 बजे बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान उनका विमान क्रैश हो गया और इस दुर्घटना में पवार समेत विमान में सवार पांच लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद पवार के परिवार और पार्टी समर्थकों के साथ-साथ राज्य के सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे समेत कई मंत्री भी बारामती पहुंच गए है।

अजित का अंतिम संस्कार आज सुबह बारामती में स्थित काटेवाड़ी गांव में किया जाएगा जो कि उनका पैतृक गांव है। अंतिम संस्कार से पहले विद्या प्रतिष्ठान मैदान में अजित पवार के पार्थिव शरीर को श्रंद्धाजलि के लिए रखा जाएगा। यहीं सीएम फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ सिंदे समेत अन्य लोग उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, जिसके बाद पूरे राजकीय सम्मान के साथ पवार का अंतिम संस्कार किया जाएगा। आज शाम 5 बजे से ही पवार की पार्थिव देह को अंतिम दर्शनों के लिए रख दिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

अजित पवार का आज होगा अंतिम संस्कार

महाराष्ट्र में 3 दिन का राजकीय शोक घोषित

अजित पवार के निधन की वजह से महाराष्ट्र में 3 दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है। सीएम फडणवीस ने उनके निधन पर शोक भी व्यक्त किया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने सहयोगी अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, श्यह महाराष्ट्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण दिन है। यह मेरे और पूरे महाराष्ट्र के लिए एक दुखद घटना है। अजित दादा अपने वचन के पक्के थे। जब मैं मुख्यमंत्री था और वे उपमुख्यमंत्री थे, तब हमने एक टीम के रूप में काम किया। एक टीम के रूप में हमने लाडली बहन योजना शुरू की थी और अजीत दादा ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अजित के चाचा और एनसीपी प्रमुख शरद पवार समेत परिवार के सदस्य पहले ही बारामती पहुंच चुके है। अजित की पत्नी और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार और उनका बेटा पार्थ पवार भी बारामती पहुंच गए हैं। परिवार के अलावा राजनीति से जुड़े कई बड़े नाम पवार के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। राज ठाकरे भी बारामती के लिए रवाना हो गए है। उन्होंने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि मेरे मित्र का निधन हो गया है। महाराष्ट्र की राजनीति ने एक काबिल नेता खो दिया। हम दोनों लगभग एक ही दौर में राजनीति में आए थे। भले ही अजित पवार शरद साहब की राजनीतिक पंरपरा से तैयार हुए नेता हो लेकिन बाद में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई थी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, विमान दुर्घटना में श्री

विस्तृत खबर, पृष्ठ 2

शर्म आनी चाहिए उन्हें जो मौत पर शोक नहीं संभावनाएं तलाश रहे हैं : अतुल गर्ग

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में शिष्टाचार होता है और ये एक ऐसा शब्द है जिसमें आचार, विचार, व्यवहार सबकुछ शामिल होते हैं। दलों को लेकर दूरी हो सकती है। विचारधारा को लेकर मतभेद हो सकता है। लेकिन राजनीति में एक दूसरे के दुख और सुख में सब शामिल होते हैं। मगर जिस तरह से डिप्टी सीएम अजीत पंवार के निधन के बाद राजनीति ने करवट ली और विपक्षी नेताओं के बयान आये। उसे लेकर गाजियाबाद के लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने हैरानी जताई। उन्होंने कहा कि इसे किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ना केवल राजनीति बल्कि समाजिक जीवन में भी एक प्रतिष्ठित प्रोफाईल के व्यक्ति हैं। उनका अपना एक राजनीतिक शिजरा है। उनके पिता स्वर्गीय डीसी गर्ग दो बार गाजियाबाद के मेयर रहे हैं। अतुल गर्ग गाजियाबाद के शहर विधायक रहे हैं। प्रदेश सरकार में खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री रहे हैं। चिकित्सा मंत्री रहे हैं। वर्तमान में वो लोकसभा सांसद हैं। इसके अलावा वो शिक्षाविद हैं और उनका परिवार शहर के प्रतिष्ठित गणमान्य परिवारों में शुमार होता है। संस्कृति, अदब और शिष्टाचार उनके व्यक्तित्व का हिस्सा हैं। राजनीति की एक बड़ी प्रोफाईल हैं। राष्ट्रपति के साथ विदेश यात्रा कर चुके हैं और संगठन में बड़ी जिम्मेदारियां संभालते हैं। ऐसे व्यक्तित्व के धनी लोकसभा सांसद अतुल गर्ग भी डिप्टी सीएम अजीत पंवार के निधन पर राजनीतिक परिदृश्य को लेकर व्यथित नजर आये। करंट क्राइम से बातचीत में उन्होंने कहा कि अजीत पंवार की दुर्घटना में मृत्यु हुई। मेरी समझ से बाहर है कि एक व्यक्ति की दुर्घटना में जान चली गई और दूसरों को मौत के इस पल में भी राजनीतिक संभावनाएं दिख रही हैं। उन्होंने कहा कि ये समय नहीं है जब ये मांग उठायी जाये कि मौत की जांच होनी चाहिए और इस बात की जांच हो कि वो बीजेपी छोड़ना चाहते थे। उन्होंने अजीत पंवार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति में भी निधन पर शोक की परम्परा है। भले ही वो कोई भी हो। उन्होंने कहा कि दुख की बात है कि मौत हुई है और इसमें राजनीति की बातें हो रही हैं। यह कहते हुए लोकसभा सांसद अतुल गर्ग पूरे परिदृश्य को फ्लेशबैक में लेकर गये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी हत्या हुई थी। पूरा देश दुखी हुआ था। प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या हुई और दुख के इस मौके पर भाजपा ने भी शोक व्यक्त किया। माधव राव सिंधिया का दुखद निधन हुआ। राजेश पायलेट जैसे दिग्गज नेता सड़क हादसे में मारे गये। लेकिन भाजपा ने कभी दुख की इस घड़ी में राजनीतिक संभावनाएं कभी नहीं तलाशी। उन्होंने कहा कि मानवीय संवेदनाओं से जुड़कर चलना चाहिए।

ये वो मौके होते हैं जब हमें मानवता का परिचय देना है। मौत पर शोक व्यक्त करना भारतीय संस्कृति है। लेकिन मुझे इस बात का दुख है कि नई राजनीतिक संस्कृति पता नहीं कहां से आई है और इस संस्कृति में मौत पर संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। मेरा मानना है कि ये शोक की घड़ी है और राजनीति के लिए तो पूरी उम्र पड़ी है। हम अपने मानव होने का परिचय दें और अपने आचरण को राजनीति में भी इतना शुचितापूर्ण रखें कि हम ना तो अपनी नजरों में शर्मिंदा हों और ना ही अन्य लोगों की नजरों में गिर जायें।

वरिष्ठ पत्रकार राज कौशिक को मिला जम्मू-कश्मीर में शासकीय सम्मान लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने किया गणतंत्र दिवस पर सम्मानित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वरिष्ठ पत्रकार तथा विख्यात कवि राज कौशिक का अपना एक अलग अंदाज है। सामने वाला कितना भी रूढ़ हो कि ये राज कौशिक हैं कि उनका मूड हमेशा नरम रहता है। वरिष्ठ पत्रकार हैं और विख्यात कवि हैं। उनकी कई रचनाएं देश और विदेश में प्रसिद्ध हैं। लाखों श्रोता उन्हें सुनते हैं। गाजियाबाद के लिए एक गौरवमयी पल जम्मू कश्मीर में आया। ये वो मौका था जब गाजियाबाद के विख्यात कवि जम्मू कश्मीर में शासकीय कवि सम्मेलन में अपनी रचनाओं का जादू बिखेर रहे थे।

देश के विभिन्न क्षेत्रों के कवियों के साथ गाजियाबाद के राज कौशिक ने जम्मू कश्मीर के शासकीय सम्मेलन में काव्य पाठ किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित इस कवि सम्मेलन में जम्मू कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने मशहूर शायर, कवि तथा वरिष्ठ पत्रकार राज कौशिक को सम्मानित किया। इस अवसर पर राज कौशिक ने काव्य पाठ किया और उन्होंने लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा को समर्पित करते हुए जब ये पंक्तियां पढ़ी तो जम्मू कश्मीर के लोग देर तक तालियां बजाते रहे।

उन्होंने मंच से पढ़ा कि हमें तो बर्फ से जलने का डर भी रहता है, वो केसे आग में रहकर भी बर्फ जैसा है। तुम्हारी खुशिंया ही मंजिल बनी हैं अब उसकी, तुम्हारे सुख का सिर्फ एक वो ही रास्ता है। सबसे खास बात ये रही कि कश्मीर के राजभवन में जब कवि सम्मेलन हुआ तो गाजियाबाद से राज कौशिक की ये पहली भागीदारी रही और वो पहली बार में ही जम्मू कश्मीर में सम्मानित हुए। इस कवि सम्मेलन में कवियों ने उपेन्द्र पांडेय के संयोजन तथा दिनेश दिग्गज के संचालन में हुए कवि सम्मेलन में प्रताप सिंह फौजदार, अनिल अग्रवंशी, चंदन द्विवेदी, डॉ अनुज त्यागी, अफजल, शैलेंद्र मधुर, आभा, श्वेता सिंह सहित जम्मू कश्मीर और भारत के विभिन्न प्रांतो के 20 कवियों ने काव्य पाठ किया। गाजियाबाद के लिए ये कवि सम्मेलन इस मामले में विशेष रहा कि कश्मीर में गाजियाबाद की काव्य की आवाज सुनी गई और शहर के शायर को सम्मानित किया गया।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने मिलाये जीडीए वीसी नन्दकिशोर कलाल के साथ हाथ
66 करोड़ की लागत से 7 प्रमुख योजनाओं को लगेंगे पंख

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अधिकारी जब एक विजन के साथ काम करते हैं तो फिर उसका रिजल्द बहुत सुखद आता है। विजन और मिशन के साथ काम करने वाले आईएएस अधिकारियों में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने अपनी एक छाप यहां छोड़ी है। एक प्लान बनाकर उस पर काम करते हैं और फिर सफलता मिलती है। नगर आयुक्त के रूप में आईएएस विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कई सौगात जनता को दी हैं। उनके कार्यकाल की बात करें तो इन्दिरापुरम हैंडओवर के बाद से वहां की कई समस्याओं का समाधान हुआ है। एक ऐसे आईएएस अधिकारी हैं जो जन सुनवाई में जनता की हर बात को ध्यान से सुनते हैं समाधान करते हैं। और जब वो विकास की कमान अपने हाथ में लेते हैं तो फिर योजनाओं को एक अमलीजामा पहनाते हैं। उनके कार्यकाल में कई सफल योजनाएं परवान चढ़ी हैं। एक कुशल अधिकारी के रूप में जनता के दिलों पर अपनी छाप छोड़ी है। सबसे बड़ी बात ये है कि वो सबको साथ लेकर चलते हैं। एक बड़ी पहल अब उन्होंने की है और यहां उन्होंने विकास की मुहिम में जीडीए को साथ लिया है। यहीं से उनके विजन का पता चलता है क्योंकि अगर गाजियाबाद की विकास वाली रेखा को देखें तो इसके दो छोर हैं। विकास का पूरा प्लान यहीं से निकलता है और पहला छोर नगर निगम है तो दूसरा छोर जीडीए है। दोनों विभाग ऐसे हैं जो जनता से सीधे जुड़े है। यहां के विकास का सीधा असर लोगों पर पड़ा है।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की एक नई पहल के बाद अब जीडीए और नगर निगम ने हाथ मिलाये हैं। 7 बड़ी योजनाओं का हस्तान्तरण हुआ है और 66.32 करोड़ की योजनाओं पर सहमति बनी है। ये तभी संभव होता है जब अधिकारी विकास की मानसिकता के साथ काम करते हैं। नगर निगम और जीडीए के बीच एक नई शुरूआत हुई है। बड़ी बात यही है कि यहां नगर निगम आगे आया है और जिन योजनाओं का हस्तान्तरण हुआ है उसमें नगर निगम को विभिन्न योजनाओं की अवस्थापना सुविधाओं का प्रबंधन सौंपा जायेगा। यानी नगर निगम ड्राईविंग सीट पर होगा। नगर निगम मैनेजमेंट संभालेगा और फिर विकास शुरू होगा। गाजियाबाद के नगर आयुक्त आईएएस अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक और जीडीए वीसी नन्द किशोर कलाल ने बुधवार को एक बैठक की।

दो किश्तों में नगर निगम को सौंपे जायेंगे 66.32 करोड़ रुपये

करंट क्राइम। नगर निगम कार्यालय भवन हस्तान्तरण की इस प्रक्रिया के दौरान सम्बन्धित अधिकारियों ने योजना के तहत सभी आवश्यक हस्ताक्षरों और कार्यवृत्त को पूरा किया। इस हस्तान्तरण के लिए कुल 66.32 करोड़ रूपये की सहमति बनी है। जिसे दो किश्तों में नगर निगम को सौंपा जायेगा। पहली किश्त एक फरवरी 2026 को जारी होगी। जिसके तहत 33.16 करोड रूपये का भुगतान होगा और दूसरी किश्त 25 मार्च 2026 को दी जायेगी। जिसमें 33.16 करोड़ रूपये का भुगतान किया जायेगा।

अप्रैल महीने से निगम देगा सड़क-नाली-सीवर-फुटपाथ-पार्क जैसी सुविधाएं

करंट क्राइम। जिन 7 प्रमुख योजनाओं का हस्तान्तरण हुआ है उनमें कर्पूरीपुरम से लेकर राजनगर एक्सटेंशन का इलाका शामिल है। एक अप्रैल से इन योजनाओं की पूरी अवस्थापना सुविधाओं को निगम संभालेगा। इनमें सड़कें, नालियां, वाटर लाईन, सीवर लाईन, फुटपाथ, पार्क, ग्रीन बेल्ट और अन्य सुविधाओं का हैंडओवर नगर निगम को मान्य होगा। स्वर्णजयंतीपुरम की सड़के, सीवर, जलापूर्ति, ड्रेनेज, मार्ग प्रकाश व्यवस्था और उद्यानिकरण सहित अन्य कार्यों के लिए धनराशि निगम को दी जायेगी।

इस बैठक में दोनों विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और बैठक में शहरी क्षेत्र की 7 प्रमुख योजनाओं का ट्रांसफर हुआ। इस ट्रांसफर प्रक्रिया को पूरा किया गया। बड़ी बात ये है कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन से शहरी क्षेत्र की एक बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा। ये योजनाएं स्वर्णजयंतीपुरम, कर्पूरीपुरम बी ब्लॉक, गोविन्दपुरम योजना का सी पी ब्लॉक है।

इसके अलावा प्रताप विहार सेक्टर 12 में भाउराव देवसर योजना, राजनगर एक्सटेंशन योजना की 45 मीटर चौड़ी मुख्य सड़क और गोविन्दपुरम योजना में क्रियाशील एसटीपी शामिल हैं। 7 प्रमुख योजनांए हैं और इसके लिए 66.32 करोड़ रूपये में सहमति बनी है।

जीडीए वीसी ने दी नगर निगम को शुभकामनाएं

करंट क्राइम। जीडीए उपाध्यक्ष नगर किशोर कलाल ने नगर निगम को शुभकामनाएं दीं। इस महत्वपूर्ण बैठक में नगर निगम से अपर नगर आयुक्त अवनिन्दर कुमार मुख्य अभियन्ता निर्माण नरेन्द्र कुमार चौधरी, उद्यान प्रभारी डॉ अनुज कुमार, प्रकाश प्रभारी आश कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथलेश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जीडीए की ओर से मुख्य अभियन्ता आलोक रंजन तथा अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। इस हस्तान्तरण के बाद गाजियाबाद नगर निगम को इन योजनाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हस्तान्तरण के बाद शहर की अवस्थापना सुविधाओं का बेहतर प्रबंधन संभव होगा। यह कदम शहर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान हादसे में निधन

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, फूट-फूट कर रोईं सुप्रिया सुले और पत्नी सुनेत्रा

पीएम मोदी ने विमान हादसे में अजित पवार के निधन पर दुख जताया
अजित पवार के निधन पर तीन दिवसीय राजकीय शोक का ऐलान
ममता बनर्जी और उमर अब्दुल्ला ने की प्लेन क्रैश के जांच की मांग
एकनाथ शिंदे, राहुल गांधी और महबूबा मुफ्ती ने दुख जताया

मुंबई। बारामती में मंगलवार सुबह हुए विमान हादसे ने महाराष्ट्र की राजनीति और पवार परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया। इस हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन की खबर फैलते ही माहौल गमगीन हो गया। परिवार से मिलने पहुंचीं एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले और अजित पवार की पत्नी व राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार खुद को संभाल नहीं सकीं और फूट-फूट कर रो पड़ीं। बारामती में हर चेहरा शोक और सन्नाटे से भरा दिखा।

हादसा कैसे हुआ? : सुबह के समय अजित पवार जिस चार्टर्ड विमान से बारामती आ रहे थे, वह लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों के अनुसार यह एक क्रैश लैंडिंग थी, जिसमें विमान को गंभीर क्षति पहुंची और अजित पवार का निधन हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस और आपदा राहत टीमें मौके पर पहुंचीं। इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी गई, जबकि पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई।

परिवार से मुलाकात में छलका दर्द : हादसे के बाद सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार बारामती में पवार परिवार के सदस्यों से मिलने पहुंचीं। जैसे ही उन्होंने परिजनों को देखा, दोनों अपने आंसू नहीं रोक सकीं और फफक-फफक कर रो पड़ीं। घर के बाहर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। पूरे माहौल में सन्नाटा पसरा रहा।

सहयोगी दलों और विरोधी नेताओं ने भी शोक व्यक्त किया। समर्थकों और कार्यकताओं ने बारामती में श्रद्धांजलि सभाएं कीं। आम लोगों ने उन्हें एक मजबूत जननेता के रूप में याद किया।

पायलट ने कहा था- 'रनवे दिख गया', फिर कैसे क्रैश हुआ प्लेन?

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे में निधन की घटना पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में उस चार्टर्ड विमान के क्रैश होने से पहले की घटनाओं का मिनट-दर-मिनट ब्योरा दिया गया है। शुरूआती जांच में हादसे की वजह खराब मौसम और कम विजिबिलिटी को बताया जा रहा है।

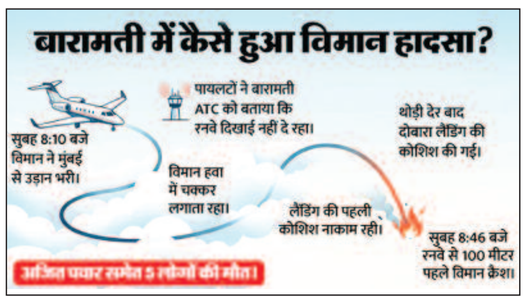

विमानन मंत्री राममोहन नायडू ने क्या कहा? : केंद्रीय विमानन मंत्री राममोहन नायडू ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि शुरूआती जानकारी के मुताबिक सुबह करीब 8:48 बजे लैंडिंग के समय विजिबिलिटी कम थी। ऊ्रछ्रअ और अअक्ष की टीम जांच कर रही है। लैंडिंग से पहले अळ्ठ बारामती से संपर्क होने पर पायलट ने बताया कि रनवे दिखाई नहीं दे रहा। रनवे साफ न दिखने पर विमान हवा में चक्कर लगाता रहा। दूसरी बार भी लैंडिंग की कोशिश की गई, लेकिन विजिबिलिटी नहीं थी। थोड़ी देर बाद पायलट ने दोबारा लैंडिंग की कोशिश की। पहले पायलट्स की तरफ से अळ्ठ के सवाल का जवाब नहीं आया, लेकिन कुछ समय बाद पायलटों ने रनवे साफ दिखने की बात कही, इसके बाद अळ्ठ ने लैंडिंग की क्लियरेंस दे दी। हालांकि, थोड़ी ही देर बाद विमान क्रैश की खबर आ गई।

अजित पवार के बाद राकांपा का क्या होगा: कौन होगा नया चेहरा?

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मुखिया और महाराष्ट्र के छह बार के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार सुबह एक विमान हादसे में निधन हो गया। सियासत में अजित पवार की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे महाराष्ट्र में सबसे लंबे समय तक उपमुख्यमंत्री रहने वाले नेता हैं। हालांकि, उनके निधन के बाद अब उनके नेतृत्व वाली राकांपा के भविष्य को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

राकांपा का आगे क्या होगा? क्या अजित पवार के बिना संभल सकती है राकांपा? अजित और शरद पवार के बीच चल रही सुलह की कोशिशों का क्या होगा? राकांपा का नया चेहरा कौन होगा? राकांपा की तरफ से डिप्टी सीएम कौन हो सकता है?

विमान हादसे में राकांपा प्रमुख के असामयिक निधन के बाद राकांपा का भविष्य अनिश्चितता और राजनीतिक संकट के दौर में है।

अजीत पवार के गुट (जिसे चुनाव आयोग ने आधिकारिक राकांपा माना है) के पास महाराष्ट्र विधानसभा में मौजूदा समय में 41 विधायक हैं।

फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली की चार साल पहले हुई थी शादी, ढाई महीने पहले आई थीं गांव

जौनपुर। महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में हुए विमान हादसे में उप मुख्यमंत्री अजित पवार का निधन हो गया है। विमान में सवार अन्य चार लोग भी इस हादसे में नहीं बच पाए। यह दुर्घटना तब हुई जब एनसीपी नेता अजित पवार (66) और अन्य लोगों को ले जा रहा विमान बारामती में रनवे के पास क्रैश लैंड हो गया। हादसे में जान गंवाने वालों में उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले की पिंकी माली भी शामिल हैं। घटना की जानकारी होते ही उनके गांव में लोग हैरान रह गए। लोगों का कहना है कि पिंकी काफी मिलनसार थीं।

फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली जिले के केराकत तहसील के भैंसा गांव की रहने वाली थी। शीतला प्रसाद माली के मुताबिक, उनके चाचा शिव कुमार माली हैं, जो चार भाई हैं। शिव कुमार के पिता बाबू राम का पिछले साल निधन हुआ था।

पिंकी की शादी भी हो चुकी है। परिवार के सभी लोग मुंबई में रहते हैं।

अपना दल एस के राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली के मुताबिक पिंकी माली के पिता शिव कुमार राष्ट्रवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता भी हैं। उनकी जुलाई में मुंबई में मुलाकात हुई थी। वह इस घटना से हैरान हैं।

एनसीसी की रैली में बोले पीएम नरेंद्र मोदी महिला कैडेट्स की संख्या उत्साह बढ़ाने वाली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार (28 जनवरी) को राजधानी दिल्ली के करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) पीएम रैली में शामिल हुए। पीएम मोदी के साथ इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान पीएम मोदी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने विचार रखे।

अजित पवार को दी श्रद्धांजलि : सभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने अजित पवार को श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, 'आज सुबह महाराष्ट्र में एक दुखद विमान हादसा हुआ है। इस हादसे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार जी और हमारे कुछ दोस्तों को हमसे छीन लिया है। अजीत दादा ने महाराष्ट्र और देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने हमेशा सक्रिय होकर काम किया। मैं अजीत पवार जी के परिवार और आज जान गंवाने वाले अन्य लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।'

एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए अपने भाषण में पीएम मोदी ने कहा कि, 'मैं यहां मौजूद सभी कैडेट्स और मित्र देशों से आए कैडेट्स और अधिकारियों का अभिनंदन करता हूं। इस बार भी यहां बहुत बड़ी संख्या में गर्ल्स कैडेट्स आई हैं। मैं उनका विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। ठउउ एक ऐसा आंदोलन है, जो भारत की युवा शक्ति को आत्मविश्वासी बनाता है। अनुशासित बनाता है। संवेदनशील बनाता है और राष्ट्र के लिए समर्पित बनाता है।'

यह आयोजन एक महीने तक चलने वाले वार्षिक एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर के समापन का प्रतीक है। जिसमें देश भर से 2406 कैडेट्स ने हिस्सा लिया है, जिसमें 898 लड़कियां भी शामिल थीं। प्रधानमंत्री की रैली का विषय 'राष्ट्र प्रथम - कर्तव्य निष्ठा युवा' है, जो भारत के युवाओं में कर्तव्य, अनुशासन और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता की भावना को दशार्ता है।

5 जनवरी को हुआ था औपचारिक उद्घाटन

दरअसल, यह रैली एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 के भव्य समापन का प्रतीक है, जिसका औपचारिक उद्घाटन 5 जनवरी को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किया था। एनसीसी ने 3 जनवरी को घोषणा की थी कि इस वर्ष देश भर से 898 लड़कियों सहित 2,406 एनसीसी कैडेट वार्षिक शिविर में भाग ले रहे हैं। भूटान, श्रीलंका, ब्राजील, नेपाल और मलयेशिया सहित 20 से अधिक मित्र विदेशी देशों के 200 से अधिक कैडेट और अधिकारी भी इसमें भाग ले रहे हैं।

बजट सत्र के दौरान भी उठेगा मनरेगा और एसआईआर का मुद्दा, विपक्ष ने तय की विरोध की रणनीति

नई दिल्ली। संसद में बजट सत्र आज से शुरू है। इस दौरान विपक्षी दलों ने सत्र में नए मनरेगा कानून और एसआईआर के मुद्दों को लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने का निर्णय लिया। सूत्रों ने बताया कि कई विपक्षी दलों के नेताओं ने यहां राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में मुलाकात की। इसके साथ ही बजट सत्र के लिए विपक्ष की रणनीति पर चर्चा की।

नेताओं ने धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान और साथ ही केंद्रीय बजट की प्रस्तुति और उस पर बहस के दौरान भी विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। एआईसीसी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ₹विपक्ष मनरेगा की बहाली की मांग के लिए सभी लोकतांत्रिक साधनों का इस्तेमाल करेगा।₹ लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान नेताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन करने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि यह शर्म की बात है।

उन्होंने कहा, ह्लआज विपक्ष का जो रवैया रहा, वह देश के लिए शर्म की बात है। कांग्रेस और उसके सहयोगियों को कभी माफ नहीं किया जाएगा। जब वंदे मातरम की 150वीं जयंती पर और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को श्रद्धांजलि दी जा रही थी, तब विपक्ष ने सदन में हंगामा किया और कार्यवाही बाधित की, जबकि देश को उनके बलिदानों को याद करना चाहिए था।ह्व बैठक के दौरान टीएमसी और आप के नेता उपस्थित नहीं थे, जिसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, एआईसीसी महासचिव रमेश और केसी वेणुगोपाल, डीएमके के टीआर बालू, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, समाजवादी पार्टी के जावेद अली खान, आरजेडी के प्रेम चंद गुप्ता, सीपीआई (एम) के जॉन ब्रिटास, सीपीआई के पी संदोष और आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन सहित अन्य लोग शामिल थे।

सरकार ने दोबारा बहस करने से इनकार किया

विपक्ष की यह बैठक कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा संसद के बजट सत्र में मनरेगा और एसआईआर से संबंधित मुद्दों को उठाने के निर्णय के एक दिन बाद हुई है। वहीं, सरकार ने इन मुद्दों पर दोबारा बहस करने से इनकार कर दिया था। यह निर्णय मंगलवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर आयोजित पार्टी के संसदीय रणनीति समूह की बैठक में लिया गया, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और खर्गे भी उपस्थित थे।

संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू का संबोधन, गिनाईं उपलब्धियां

नई दिल्ली। बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू का संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने देश की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा, ₹संसद के इस सत्र को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। पिछला वर्ष भारत की तीव्र प्रगति और विरासत के उत्सव के रूप में यादगार रहा। पूरे देश में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है। नागरिक बंकिम चंद्र चटर्जी को उनकी इस महान प्रेरणा के लिए नमन कर रहे हैं। मैं सभी सांसदों को बधाई देती हूं कि संसद में इस विषय पर विशेष चर्चा हुई।

इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, देश ने श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस मनाया। वहीं, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही आदिवासी समुदाय के प्रति उनके योगदान को याद किया। सरदार पटेल की 150वीं जयंती से संबंधित कार्यक्रमों ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को और मजबूत किया। पूरे देश ने देखा कि भारत रत्न भूपेन हजारिका की जयंती समारोह ने देश को संगीत और एकता की भावना से भर दिया। जब देश अपने पूर्वजों के योगदान को याद करता है, तो नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है, जिससे 'विकसित भारत' की ओर हमारा सफर और भी तेज हो जाता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, ₹श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमें सिखाया है 'भय कहूं को देत नेहन नेहन भय मानत आन'। इसका अर्थ है कि हमें न तो किसी को डराना चाहिए और न ही किसी से डरना चाहिए।

बरेली से बाहर भेजे गए अलंकार अग्निहोत्री, समर्थकों में दिखा आक्रोश

बरेली। बरेली में निलंबित पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार दोपहर कड़ी सुरक्षा के बीच निजी वाहन से शहर से बाहर भेज दिया गया। इस दौरान उनके समर्थकों में जबर्दस्त आक्रोश देखने को मिला। समर्थकों ने अलंकार अग्निहोत्री को बरेली से बाहर न जाने देने के लिए रोकने का भरकस प्रयास किया। लेकिन पुलिस और प्रशासन अलंकार अग्निहोत्री को बरेली से बाहर भेजने में कामयाब रहा। आवास से बाहर आने से पहले अलंकार अग्निहोत्री ने एक इशारा भी किया। इसके बाद उनके समर्थकों ने रामपुर की तरफ जाने वाले मुख्य मार्ग पर जाम लगाकर नारेबाजी शुरू दी। पुलिसकर्मियों से धक्कामुक्की भी की गई।

सरकारी आवास से निकलने से पहले अलंकार अग्निहोत्री अफसरों के साथ कुर्सी पर बैठे दिखाई दिए। उन्होंने पहले विक्ट्री का चिह्न दिखाया और एक अंगुली अपने सिर पर रखकर समर्थकों की तरफ इशारा किया।

अलंकार अग्निहोत्री का इशारा देख उनके समर्थक और आक्रोशित हो गए। समर्थक तरह-तरह के आरोप लगा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि अलंकार अग्निहोत्री को उनके पारिवारिक मित्र जिनमें एक अधिकारी भी शामिल हैं, अपने साथ ले गए हैं।

बुधवार को सुबह अलंकार अग्निहोत्री सरकारी आवास से निकलकर गेट पर आए थे और मीडिया कर्मियों से खुद को हाउस अरेस्ट होना बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि प्रशासन ने उन्हें आवास के अंदर ही रहने की हिदायत दी है और वह कानून को मानकर अपने आवास में ही रुके।

द्वारका कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल से मचा हड़कंप

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के द्वारका कोर्ट में आज सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब कोर्ट परिसर में बम रखे होने की धमकी मिली। ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली है। इस सूचना के मिलते ही पुलिस और प्रशासन अलर्ट हो गया। बम की धमकी मिलने की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। साइबर सेल धमकी भरे मेल की जांच कर रही है। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड को बुलाया गया है। अभी तक कुछ संदिग्ध नहीं मिला है।

साइबर सिटी में 13 निजी स्कूलों में बुधवार की सुबह बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल भेजे गए हैं। धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। ईमेल मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन ने एहतियात के तौर पर स्कूलों में छुट्टी कर दी और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही संबंधित स्कूलों में पुलिस की टीमों ने पहुंचकर सर्च अभियान शुरू कर दिया।

स्कूलों में बुधवार सुबह धमकी भरा ईमेल उस समय मिला, जब बच्चे स्कूल पहुंच रहे थे या पहुंच चुके थे। धमकी भरी ईमेल स्कूलों को अलग-अलग समय में मिली हैं। सूचना मिलते ही पुलिस की टीमों के साथ ही बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड और एसडीआरएफ की टीमों ने संबंधित स्कूलों में पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया।

एक फरवरी को बारिश की संभावना जताई गई

नई दिल्ली। राजधानी में पश्चिमी विक्षोभ के कारण बीते तीन साल बाद जनवरी में अबतक सबसे अधिक मेघ बरसे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, इस माह में अब तक 21.01 मिमी बारिश हो चुकी है। इससे पहले 23 और 24 जनवरी की सुबह 8:30 बजे तक सफदरजंग मानक वेधशाला में 19.8 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। वहीं, साल 2025 में 8.3, 2024 में बारिश ट्रेस और 2023 में 20.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई थी। इसके अलावा, ऑल टाइम रिकॉर्ड साल 1885 का है, जब 173.2 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। हालांकि, मौसम विभाग ने अब महीने के अंत तक बारिश नहीं होने की संभावना जताई है। ऐसे में बुधवार को पारा गिर सकता है। इससे ठिठुरन बढ़ेगी।

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 28 जनवरी से 2 फरवरी तक मौसम ठंडा और बादल वाला रहने का अनुमान है। 28 जनवरी से 30 जनवरी तक अधिकतर बादल छाए रहेंगे और सुबह हल्का कोहरा रहेगा। 29 जनवरी को मौसम आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा। 31 जनवरी को भी आंशिक बादल रहने के साथ हल्का कोहरा रहेगा। 1 फरवरी को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और एक-दो बार हल्की बारिश के साथ गरज और बिजली कड़कने की संभावना है।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

गाजियाबाद में यूजीसी के विरोध में कफन और हथकड़ी डालकर प्रदर्शन

छात्रों और संगठनों ने भी उठाई आवाज

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन) के नए नियमों के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गया है। जिले में कई संगठनों और छात्र नेताओं ने विरोध दर्ज कराने के लिए कड़े कदम उठाए, जिसमें गले में कफन डाले और हाथों तथा शरीर पर हथकड़ी डालकर विरोध करने का तरीका अपनाया गया।

यह प्रदर्शन जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर हुआ, जहां प्रमुख रूप से ब्राह्मण सभा और अन्य हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी के नए नियमों को सामान्य वर्ग के खिलाफ बताते हुए जोरदार नारेबाजी की। उनका कहना था कि ये नए नियम सामाजिक भेदभाव को बढ़ावा देंगे और सामान्य वर्ग को कमजोर कर देंगे। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से बीके शर्मा हनुमान वीके अग्रवाल, पार्षद हिमांशु शर्मा आदि ने हिस्सा लिया और ये सभी इस बात पर जोर दे रहे थे कि यूजीसी के नए दिशा-निर्देश समाज में अराजकता और असमानता को बढ़ावा देंगे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अपने गले में कफन डालकर और हाथों में हथकड़ी पहने यूजीसी के नियमों के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की। उनका यह मानना था कि यह कदम उनकी आवाज को शक्तिशाली बनाने और समाज में समानता की रक्षा करने का प्रयास है। प्रदर्शनकारी यह भी कह रहे थे कि यूजीसी के नए दिशा-निर्देश सामान्य वर्ग के साथ भेदभाव करते हुए, उनके विकास और अधिकारों को कुचलने का काम करेंगे।

छात्रों ने ज्ञापन सौंपकर दी प्रतिक्रिया

करंट क्राइम : यूजीसी के विरोध में यह प्रदर्शन केवल संगठनों तक ही सीमित नहीं था, बल्कि बड़ी संख्या में छात्रों ने भी अपनी भागीदारी दर्ज की। छात्रों ने जिलाधिकारी के नाम एक ज्ञापन सौंपते हुए, प्रधानमंत्री से इस मुद्दे पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की। ज्ञापन में यह अनुरोध किया गया था कि देश में उत्पन्न हो रहे तनाव को देखते हुए, यूजीसी के नए नियमों पर पुनर्विचार किया जाए ताकि कोई भी अव्यवस्था या अराजकता न फैल सके। इस प्रदर्शन में कई प्रमुख छात्र नेता भी शामिल थे, जिनमें योगेश भारद्वाज, अवनीश कुमार, आशीष एडवोकेट, राम लक्ष्य तिवारी, मनीष अवनीश आदि प्रमुख नाम थे। इन सभी ने इस मामले पर अपनी आवाज उठाई और जिलाधिकारी को ज्ञापन देते हुए कहा कि इस मुद्दे का हल जल्दी निकाला जाए। उन्होंने यह भी बताया कि अगर समय रहते कोई कदम नहीं उठाया गया, तो यह आंदोलन और बड़ा हो सकता है। मंगलवार को भी गाजियाबाद में दो संगठनों ने यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ प्रदर्शन किया था, और अब गुरुवार को हिंदूवादी नेता डॉ. उदिता त्यागी और अन्य नेताओं ने मिलकर इस आंदोलन को और तेज करने की योजना बनाई है। इन नेताओं का कहना है कि अगर सरकार ने इस मामले पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो प्रदर्शन और भी उग्र हो सकता है। गाजियाबाद में हो रहे इन प्रदर्शनों के मद्देनजर पुलिस और खुफिया विभाग के अधिकारी पूरी तरह से अलर्ट मोड पर हैं। अधिकारियों ने स्थिति पर कड़ी निगरानी रखते हुए किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित किया है।

न पक्ष और न विरोध में कोई खयाल...

गाजियाबाद में यूजीसी मुद्दे पर विपक्षी नेताओं की चुप्पी पर उठे सवाल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। यूजीसी के नए रेगुलेशन पर पूरे देश में चर्चा हो रही है, लेकिन गाजियाबाद में इस मुद्दे पर विपक्षी नेताओं की चुप्पी ने सभी को हैरान कर दिया है। ना तो समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता इस मुद्दे पर पक्ष में बोल रहे हैं, और न ही विपक्ष में कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यह चुप्पी गाजियाबाद के राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। दैनिक करंट क्राइम ने मंगलवार को गाजियाबाद के सपा, कांग्रेस और आप नेताओं से इस मुद्दे पर बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन अधिकांश नेताओं ने खुलकर अपनी राय नहीं दी। कुछ नेताओं ने तो पार्टी के दिशा-निदेशों का हवाला देते हुए इस पर टिप्पणी करने से मना कर दिया। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष फैजल हुसैन से जब इस मुद्दे पर बातचीत की गई, तो उन्होंने साफ कहा कि अभी पार्टी की ओर से कोई स्टैंड क्लियर नहीं किया गया है, और जैसे ही पार्टी का आधिकारिक रुख सामने आएगा, उसी के अनुसार प्रतिक्रिया दी जाएगी।

कांग्रेस के नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठने लगे हैं। गाजियाबाद में कांग्रेस का कोई बड़ा नेता इस मुद्दे पर खुलकर सामने नहीं आया, जबकि बड़े शहरों में भाजपा के नेता लगातार प्रेसवार्ताओं में अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। गाजियाबाद के स्थानीय कांग्रेस नेता भी इस मामले पर खामोश बने हुए हैं, जिससे ये सवाल उठ रहे हैं कि क्या पार्टी के नेताओं को इस मुद्दे पर बोलने का निर्देश नहीं मिला है या फिर वे खुद ही इस पर चर्चा से बच रहे हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी इस मुद्दे पर आक्रामक दिखाई दे रही है। दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों में पार्टी के नेता इस मुद्दे पर लगातार बयानबाजी कर रहे हैं, लेकिन गाजियाबाद में पार्टी के नेताओं की स्थिति भी थोड़ी अस्पष्ट नजर आ रही है। इससे यह भी सवाल उठता है कि क्या गाजियाबाद के नेताओं को भी पार्टी के उच्च स्तर से इस मुद्दे पर बोलने के निर्देश नहीं मिले हैं?

उधर इस बीच, हिंदूवादी संगठनों और छात्रों ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है और अगले कुछ दिनों में प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। गुरुवार को भी गाजियाबाद में प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस प्रदर्शन में मुख्य रूप से यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ छात्रों और शिक्षकों के समर्थन में आवाज उठाई जाएगी। गाजियाबाद में विपक्षी नेताओं की चुप्पी के कारण इस मुद्दे की राजनीतिक अहमियत को लेकर सवाल उठने लगे हैं। यदि विपक्षी नेता जल्द ही इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देते हैं, तो यह गाजियाबाद समेत अन्य शहरों में आगामी विधानसभा चुनावों में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन सकता है।

यूजीसी के नए रेगुलेशंस के खिलाफ विपक्षी दलों की खामोशी 2027 के चुनावों में विपक्ष के लिए एक बड़ा मुद्दा बन सकती है, क्योंकि यह मुद्दा छात्रों और शिक्षकों के बीच काफी संवेदनशील बन चुका है। स्थानीय नेताओं की चुप्पी और भविष्य की राजनीति गाजियाबाद के स्थानीय जनप्रतिनिधियों की खामोशी पर भी सवाल उठ रहे हैं। चाहे वह सपा, कांग्रेस या आम आदमी पार्टी हो, कोई भी स्थानीय नेता इस मुद्दे पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए आगे नहीं आ रहा है।

यह स्थिति आगामी चुनावों में गाजियाबाद की राजनीति को प्रभावित कर सकती है। अगर विपक्षी नेता समय रहते इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं करते, तो यह उनकी चुनावी संभावनाओं पर भारी पड़ सकता है।

37 मिस्डकॉल के बाद हो गई विपक्ष के एक बड़े नेता की दल से ही विदाई

वो घर पर मिले थे ब्रश करते और यही बात पार्टी के बड़े नेता को कतई पसंद नहीं आई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में लोकतंत्र एक अलग बात है और बड़े नेता के आदेश का पालन होना एक अलग बात है। जिस तरह से प्रशासन ने बड़े अधिकारियों के मौखिक आदेशों का पालन भी तत्काल प्रभाव से होता है। उसी तरह राजनीतिक दलों में भी जो नेता पार्टी के कर्ता भी हैं और धर्ता भी हैं उनके आदेशों में कोताही बर्दाश्त नहीं होती है। राजनीति का ये लहजा पक्ष और विपक्ष के दानों नेताओं पर लागू होता है। राजनीति में ये कहा जाता है कि यहां कभी सूरज अस्त नहीं होता है। बड़ा नेता आपको रात को 2 बजे भी फोन मिला सकता है और इस फोन को हर हाल में उठाना ही होगा। बड़े नेता का फोन है अपनी लोकेशन को बताना होगा और वो जो भी काम बतायें उसे करके लाना होगा। किस्सा एक ऐसे राजनीतिक दल का है जो भले ही इस समय हाशिये पर है लेकिन कभी इस दल की सरकार रही है। यहां के राष्ट्रीय अध्यक्ष का जलवा आज भी याद किया जाता है। अब भले ही पार्टी सत्ता में नहीं है तो अधिकारी कुछ माने या ना माने लेकिन पार्टी के पदाधिकारियों को तो मानना ही होगा। सूत्र बताते हैंकि जिस फोन की एक घंटी पर जी सुप्रीमो, जी सुप्रीमो होती है। उस फोन से अगर किसी पदाधिकार को एक नहीं दो नहीं दस नहीं बीस नहीं बल्कि पूरे 37 बार कॉल आये और पार्टी का पदाधिकारी फोन ही ना उठाये तो फिर समझा जा सकता है कि क्या हुआ होगा। सूत्र बताते हैं कि अगर वो 38वीं कॉल पर भी फोन उठा लेते तो शायद रिजाईन से काम चल जाता। लेकिन जब वो 38वीं कॉल पर वे घर पर वासबेसिन पर खड़े ब्रश करते दिखाई दिये तो फिर उनकी राजनीति पर एक झटके में ब्रश फिर गया। हालांकि पार्टी के भीतरी सूत्र बतातेहैं कि बहुत वो फाईन लीडर हैं और ये समय का ही इफैक्ट है। पुरानी कहावत है कि जब समय खराब होता है तो ऊंट पर चढ़े व्यक्ति को भी कुत्ता काट लेता है। सीन कुछ ऐसा ही हुआ और कहानी की स्क्रिप्ट लखनऊ में लिखी गई। कुछ घंटे पहले मुलाकात हुई थी और सबकुछ ठीक था। लेकिन रात भर का सफर भारी पड़ा। बताते हैं कि वेस्ट यूपी वाले पदाधिकारी जब अलसुबह घर पहुंचे तो उन्होंने अपना फोन साईलेंट मोड पर कर दिया और उनको नींद आ गई। लेकिन राजनीति में बड़े नेताओं यहां ना कोई रात होती है ना कोई सुबह होती है। राजनीति के दरबारों मे सूरज अस्त ही नहीं होता है। सूत्र बताते हैं कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन्हें पहले तो खुद फोन मिलाया। पूरी बैल गई मगर उधर से फोन नहीं उठा। इसके बाद कई फोन मिले और जब फोन पर कोई रेस्पांस नहीं मिला तो बड़े नेता का पारा हाई हो गया। उनके मस्तिष्क में फोन साईलेंट या अन्य कोई बात नहीं आई। सूत्र बताते हैं कि वहां मौजूद दरबारियों ने भी पूरी आग लगाई। शक के बाद उमड़ने लगे और ये माना गया कि ये तो अनुशासनहीनता की पराकाष्ठा ही पार कर दी है। जिस दल की बात कर रहे हैं वहां पार्टी के मुखिया की बात को काटना या उनका फोन ना उठना ही अपने आप में एक बड़ी अनुशासनहीनता है। ये दल भी ऐसा है जहां छोटी सी बात पर बड़ी कार्यवाही हो जाती है। यहां एक झटके में बड़े से बड़ा नेता पैदल हो जाता है। सूत्र बताते हैं कि जब 37 कॉल के बाद

फोन नहीं उठा तो उनके घर पर किसी को देखने के लिए भेज गया। यह पता करना था कि वो घर पर हैं या कहीं बाहर हैं। यहां पर किस्मत कांटा अटक गया और जब वह पहुंचा तो वेस्ट वाले पदाधिकारी रेस्ट करने के बार वाशबेसिन पर ब्रश कर रहे थे। तत्काल इसी बात की फीडबैक राष्ट्रीय नेतृत्व को दी गई। फिर सारी निष्ठाएं, सारी वफाएं एक झटके में हवाएं हो गईं और पदाधिकारी की दल से ही विदाई हो गई। पुराने साथी अब इस बात को कह भी रहे हैं कि अगर उन्होंने फोन साइलेंट पर ना किया होता तो उनकी राजनीति में ये डेंट ना आया होता। मगर घटनाक्रम इतनी तेजी से घूमा कि सबकुछ ही घूम गया। इस पार्टी का नेतृत्व ऐसा है कि वो अपने आदेशों के सामने कोई अपील, कोई दलील नहीं मानता है। लिहाजा अब सब इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि शीर्ष नेतृत्व का गुस्सा कुछ शांत हो तो इस संबंध में बात हो।

जब पुलिस कमिश्नर फंसे जाम में !

डीएम और सीपी कार्यालय के बाहर ट्रैफिक व्यवस्था हुई बेहद कमजोर

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए जहां कमिश्नरेट ट्रैफिक पुलिस में 1000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया है। बावजूद इसके गाजियाबाद शहर और प्रमुख इलाकों की ट्रैफिक व्यवस्था और जाम वाला समाधान नहीं हो पा रहा है। बुधवार को पुलिस कमिश्नर अपने आवाज से कार्यालय की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह जिलाधिकारी कार्यालय के मुख्य मार्ग पर पहुंचे, इस दौरान वह जाम में फंस गए। कुछ देर के लिए उनका कई गाड़ियों वाला काफिला फंसा रह गया। जैसे-तैसे यातायात पुलिसकर्मियों और वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उनके काफिले को आगे बड़वाया और काफिले को कार्यालय की तरफ भेजा गया लेकिन यह समस्या आम होती जा रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि कई बार यहां एडिशनल सीपी और अन्य पुलिस ऑफिसर्स के वाहन जाम में फंस चुके हैं। वहीं मुख्य मार्ग पर दोनों ओर सड़क पर पार्किंग लग रही है, जिसकी वजह से सड़क पर न सिर्फ लंबा जाम लग जाता है बल्कि आने-जाने में भी लोगों को लंबी परेशानी होती है।

जिलाधिकारी कार्यालय में वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था भी हुई फेल

करंट क्राइम : जिला मुख्यालय पर आने वाले लोगों को जाम से दो चार नहीं होना पड़े, इसको लेकर कुछ माह पूर्व यहां पर वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था की गई थी। कुछ दिनों तक की व्यवस्था चालू रही लेकिन फिर यह अब पूरी जरह से ध्वस्त हो गई है, जिसकी वजह से अक्सर जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में वाहनों की लाइन लंबी कतार लगी रहती है। तो कई बार अधिकारियों और पुलिस कर्मचारियों की टीम टेंशन बढ़ जाती है। बता दें कि परिसर में रोजाना बड़ी संख्या में अधिकारियों से लेकर उच्च अधिकारियों के वाहन आते हैं जो जाम का बड़ा कारण भी कई बार बन जाते हैं। इस दौरान कई बार आफत वाली स्थिति भी बन जाती है।

क्या कमिश्नर के फंसने के बाद अब होगा वाहन पार्किंग पर एक्शन

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड की पुलिसिंग अलग है। वह अपनी अलग ओर मिलनसार व्यवहार के लिए चर्चा में रहते हैं। वहीं कहा जा रहा है कि जिस तरीके से जाम की समस्या और परेशानी आम लोगों के साथ-साथ अधिकारियों के लिए भी जी का जंजाल बन रही है, तो क्या आने वाले दिनों में जाम की समस्या और सड़क पर खड़े होने वाले वाहनों को खत्म करने के लिए कोई प्लान या समाधान भी निकाला जाएगा। उधर जिस तरीके के पुलिस कमिश्नर अधिकारी हैं वह सीधे तौर पर किसी प्रकार की टेंशन एवं कर्मचारियों को फटकार नहीं लगाते हैं। लिहाजा उनकी पुलिसिंग का अंदाज और स्वभाव अलग है। अब देखना होगा आने वाले दिनों में सड़क पर खड़े होने वाले वाहनों के मामले को लेकर गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट पुलिस क्या एक्शन प्लान लेकर आती है।

दिल्ली पुलिस की महिला कमांडो की हत्या, पति ने किया हमला, मुकदमा हुआ दर्ज

गाजियाबाद, करंट क्राइम : दिल्ली पुलिस की महिला कमांडो काजल की दुखद मौत का मामला सामने आया है, जिसमें उनके पति पर हत्या का आरोप है। काजल ने दो साल पहले लव मैरिज की थी, और इसी रिश्ते में एक दर्दनाक मोड़ आ गया। बताया जा रहा है कि काजल के पति ने सर पर जिम में प्रयोग होने वाले डंबल से कई बार वार किया, जिससे वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ी। काजल को गंभीर हालत में गाजियाबाद के यशोदा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बावजूद उनकी मौत हो गई। सिहानी गेट पुलिस के मुताबिक, इस संबंध में दिल्ली में एफआईआर दर्ज की गई है और आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद काजल के शव को उनके परिजन हरियाणा स्थित अपने गांव ले गए हैं। यह घटना एक सशस्त्र महिला कमांडो की दर्दनाक मौत को दशार्ती है, जो अपने पति के हाथों मारी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उज्जैन महाकाल के दर्शन कर लौट रहे चार युवकों की मौत

साहिबाबाद (गाजियाबाद)। शुक्रवार की रात को खोड़ा के वंदना एनक्लेव के रहने वाले राहुल गुप्ता अपने चचेरे भाई प्रिंस, साले बृजमोहन और दो साथियों विक्रम सिंह और पारस के साथ खुशी-खुशी उज्जैन महाकाल के दर्शन करने निकले थे।

वहीं, उस दौरान किसी को अंदाजा भी नहीं था कि यात्रा से वापसी में इतना बड़ा हादसा हो जाएगा। हादसे में चार युवकों की जान चली गई। राहुल गुप्ता और प्रिंस चचेरे भाई थे। दोनों अपने घर में इकलौते बेटे थे। उनके अलावा पारस और विक्रम भी काल के क्रूर हाथ से बच नहीं सके। बृजमोहन सबसे पीछे बैठने के चलते बच गए।

सोमवार रात खबर मिलने के बाद परिजनों के होश उड़ गए। गमजदा राहुल के पिता राजेश गुप्ता ज्यादा बता नहीं पाए। रुंधे गले से उन्होंने सभी के खुशी-खुशी यात्रा पर जाने की बात बताई। राहुल गुप्ता शादीशुदा थे और उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा 10 साल का है, जबकि छोटा बेटा पांच साल का बताया जा रहा है। उनका चचेरा भाई प्रिंस गुप्ता भी अपने घर का इकलौता बेटा था। वह 12वीं का छात्र था। उसके पिता रजनीश गुप्ता की आंखों से बस आंसू ही बह रहे थे।

दिखने लगा नसीमुद्दीन सिद्दीकी के पार्टी छोड़ने का असर

35 कार्यकर्ताओं ने दिया इस्तीफा, अगले तीन दिनों में और भी होंगे इस्तीफे

गाजियाबाद करंट क्राइम। वरिष्ठ नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी के कांग्रेस छोड़ने के बाद से गाजियाबाद की इकाई में हलचल सी मच गई है। मंगलवार को 35 कार्यकताओं ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। आने वाले दो-तीन दिनों में सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता कांग्रेस से इस्तीफा देने का मन बना लिया है।

पिछले 17 सालों से कांग्रेस के लिए सब कुछ गांव पर लगाने वाले प्रदेश के पूर्व सचिव नसीम खान ने भी नसीमुद्दीन सिद्दीकी के साथ पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने वालों में मुसलमान कार्यकताओं की संख्या सबसे ज्यादा है। ऐसे वक्त जब पार्टी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है मुस्लिम कार्यकताओं का पार्टी छोड़ना छोड़ना कांग्रेस के लिए चिंता की बात हो गई है।

उल्लेखनीय है कि काफी समय से पार्टी में अपेक्षा झेल रहे पूर्व मंत्री व वरिष्ठ नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह किस पार्टी में शामिल होंगे। नसीमुद्दीन सिद्दीकी के अगले कदम का गाजियाबाद के मुस्लिम कार्यकर्ता बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनका कहना है कि नसीमुद्दीन सिद्दीकी जी पार्टी में जाएंगे वह भी उसी पार्टी में जाएंगे।

नसीमुद्दीन सिद्दीकी के करीबी कार्यकताओं ने कहा कि वह सेकुलर और सबको साथ लेकर चलने वाले पार्टी में शामिल होंगे सूत्रों के अनुसार नसीमुद्दीन सिद्दीकी आने वाले समय में सपा में शामिल हो सकते हैं। इसके लिए सपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ उनकी बातचीत चल रही है। गाजियाबाद में कांग्रेस के कार्यकताओं के बीच जबरदस्त गुडबाजी चल रही है। एक गुटका मानना है कि नसीरुद्दीन सिद्दीकी के पार्टी छोड़ने का पार्टी संगठन पर कोई असर नहीं पड़ेगा वही दूसरे अच्छा का कहना है कि नसीमुद्दीन सिद्दीकी जैसे उत्तर प्रदेश के बड़े और कद्दावर मुस्लिम नेता के पार्टी छोड़ने से चुनाव में इसका असर पड़ेगा।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस जिला या महानगर इकाई की ओर से कार्यकताओं के पार्टी छोड़ने पर विचार करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता इस्तीफा देने के लिए तैयार है। पूर्व वरिष्ठ कांग्रेस नेता नसीम खान ने कहा कि जिला और महानगर इकाई में कमजोर लोगों को पद दिया गया ऐसे लोग चुनाव में क्या करेंगे जिनका अपना कोई वजूद नहीं है उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने फोन किया था लेकिन उन्होंने स्पष्ट कह दिया कि नसीमुद्दीन सिद्दीकी जहां रहेंगे वहीं कांग्रेस के मुस्लिम कार्यकर्ता रहेंगे।

सेवा भाव से नहीं आए थे नसीमुद्दीन सिद्दीकी

कांग्रेस जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा डसना का कहना है कि कांग्रेस एक बड़ी पार्टी है और इसमें आवागमन लगा रहता है। नसीमुद्दीन सिद्दीकी शरीर और मन से हमेशा बसपाई रहे हैं वह कांग्रेस में रहते हुए भी मन से कांग्रेसी नहीं थे। उन्होंने कभी सेवा भाव से काम नहीं किया पार्टी ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी थी जिसमें वह न्याय नहीं कर पाए। उनके रहते पार्टी अल्पसंख्यकों तक अपनी पकड़ नहीं बन पाई। उनके जाने से पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सतीश शर्मा ने कहा कि मायावती ने नसीमुद्दीन सिद्दीकी पर कई गंभीर आरोप लगाए थे इसके बाद भी कांग्रेस ने उन्हें पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी देकर उनका कद बढ़ाया था लेकिन उन्होंने पार्टी को धोखा दिया।

संपादकीय

मणिपुर संकट फिर गहराया

मई, 2023 से मणिपुर में जारी हिंसा की आग का सबसे बड़ा कारण अलग-अलग स्थानीय समुदायों के बीच कई मसलों पर सीधा टकराव रहा है। हिंसा और अराजकता में अब तक वहां ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए। काफी मुश्किल से मणिपुर में हालात थोड़े काबू में आते दिखने लगे थे और इसी वजह से उम्मीद की जाने लगी थी कि वहां जटिल हो चुकी समस्या का अब शायद कोई समाधान निकल सके। मगर राज्य में बीते कुछ दिनों के भीतर जिस तरह हिंसा की एक नई लहर देखी जा रही है, उससे एक बार फिर स्थिति बिगड़ने की आशंका खड़ी हो गई है। गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले के सोंगलुंग गांव में सोमवार को उग्रवादियों ने कई घरों और फार्म हाउसों में आग लगी दी। यह इलाका कुकी-जो बहुल है और पहले भी कुछ उग्रवादी संगठनों के निशाने पर रहा है। हालांकि आगजनी और हमले में किसी की जान नहीं गई, लेकिन यह साफ है कि इस वारदात का मकसद जातीय तनाव की आग को भड़काना और राज्य को फिर से अराजकता की आग में झोंकना था।

इसके संकेत भी सामने आए जब कांगपोकपी जिले के एक कुकी संगठन ने सरकार से चौबीस घंटे के भीतर अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग की और ऐसा न होने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी। संगठन ने यह भी कहा कि जिले के कुकी बहुल इलाकों के गांवों को जानबूझ कर निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे में अगर हालात बिगड़ते हैं तो उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। अफसोस की बात यह है कि हिंसा की आग से उपजी व्यापक त्रासदी के बावजूद अब भी कोई ऐसा हल सामने नहीं आ सका है, जिससे विवाद और टकराव में शामिल सभी समुदाय सहमत हों और शांति की राह निकल सके। इसके उलट अब ऐसे मुद्दों पर भी हिंसक गतिविधियां सामने आती दिखने लगी हैं, जो दो समुदायों के बीच दूरी को पाटने की एक कड़ी बन सकती थी। हाल ही में एक कुकी युवती से विवाह करने वाले मैतेई युवक की संदिग्ध उग्रवादियों ने हत्या कर दी। दूसरी ओर, खबरों के मुताबिक, सोंगलुंग गांव में ताजा हमला करने वाले उग्रवादी संगठन का कहना है कि जिस इलाके में घरों और फार्महाउसों को जलाया गया, वहां अफीम की अवैध खेती होती थी। जबकि कुकी-जो संगठनों का कहना है कि सोंगलुंग गांव में कभी अफीम की खेती नहीं हुई और अस्थायी फार्महाउसों के बजाय आवासीय मकानों को जला दिया गया। सवाल है कि अगर कहीं कोई अवैध गतिविधि चल रही है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी प्रशासन की है या उग्रवादी संगठन की? यह छिपा नहीं है कि मई, 2023 से मणिपुर में जारी हिंसा की आग का सबसे बड़ा कारण अलग-अलग स्थानीय समुदायों के बीच कई मसलों पर सीधा टकराव रहा है। हिंसा और अराजकता में अब तक वहां ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए। मगर अफसोस की बात है कि मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर

रोचक तथ्यों का करंट

- यह अभी भी हर साल 35-55 किलोग्राम अंगूर और 100 बोतलों (250 एमएल प्रत्येक) का उत्पादन करती है।
- अंगूर दिल के दौरे के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं क्योंकि वे खून में नाइट्रिक एसिड के स्तर में वृद्धि करते हैं जो रक्त के थक्कों को रोकता है।
- अंगूर फ्रूट के मीठे और खट्टे स्वाद आपके मनोदशा को दुरुस्त करते हैं और आपको तनाव और अवसाद मुक्त बनाते है।
- क्या आप जानते हैं? नवीनतम वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि कॉनकॉर्ड के रूप में जाने जाने वाले बैंगनी रंग के अंगूर से प्राप्त रस से, स्तन कैंसर के विकास को रोका जा सकता है।
- अंगूर और किशमिश कुत्तों के लिए गंभीर रूप से विषाक्त हैं और एक तीव्र गुर्दा की विफलता का कारण बन सकता है। अंगूर खाने के कुछ घंटो के बाद, कुत्ते को उल्टी, दस्त, अत्यधिक प्यास, अत्यधिक पेशाब और सुस्ती हो सकती है। और तो और इसका कोई विषहर औषध नहीं है! इसलिए कुत्तों को अंगूर कभी ना खिलाएं!

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 487.20 अंक उछलकर 82,344.68 अंक पर हुआ बंद

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 487.20 अंक उछलकर 82,344.68 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 167.35 अंक की बढ़त के साथ 25,342.75 पर बंद हुआ। भारत-यूरोपीय संघ के ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के चलते बुधवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी पिछले दिन की तेजी को जारी रखते हुए उच्च स्तर पर बंद हुए।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 487.20 अंक या 0.60 प्रतिशत बढ़कर 82,344.68 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 646.49 अंक या 0.78 प्रतिशत की तेजी आई और यह 82,503.97 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 167.35 अंक या 0.66 प्रतिशत बढ़कर 25,342.75 पर बंद हुआ। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे गिरकर 91.79 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के दिसंबर तिमाही के नतीजों के बाद उसके शेयरों में लगभग 9 प्रतिशत की तेजी आई। एटरनल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट अन्य प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियां थीं। अन्य पिछड़ने वाली कंपनियों में मारुति, सन फार्मा, इंफोसिस और भारती एयरटेल शामिल थीं। ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार वैश्विक संकेतों में सुधार और भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के सफल समापन के बाद बाहरी व्यापार के मोर्चे पर नए सिरे से आशावाद के समर्थन से सकारात्मक नोट पर सत्र का समापन हुआ।

एशियन पेंट्स के शेयरों में आई गिरावट

हालांकि, एशियन पेंट्स के शेयरों में 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, क्योंकि कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की दिसंबर तिमाही के लिए अपने समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल आधार पर 4.83 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जो कि 1,073.92 करोड़ रुपये रहा। यह गिरावट नए श्रम संहिता के कार्यान्वयन और एक सहायक कंपनी में हुए नुकसान के मूल्यह्रास जैसी असाधारण मदों के कारण हुई।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता

भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे मदर ऑफ ऑल डील्स कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य दो अरब लोगों का बाजार तैयार करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की रक्षा के लिए व्यापार और रक्षा का बड़े पैमाने पर लाभ उठाने हेतु एक परिवर्तनकारी पांच वर्षीय एजेंडा का अनावरण किया। अधिकारियों के अनुसार, मुक्त व्यापार समझौता, जो वैश्विक जीडीपी के लगभग एक चौथाई हिस्से के लिए जिम्मेदार होगा, यूरोपीय संघ को होने वाले भारतीय निर्यात के 99 प्रतिशत पर टैरिफ कम करेगा और यूरोपीय संघ से भारत को होने वाले निर्यात के 97 प्रतिशत से अधिक पर शुल्क में कटौती करेगा।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक उच्च स्तर पर बंद हुए। यूरोप के शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई। मंगलवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 67.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत में 0.62 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 67.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

वैश्विक अनिश्चितता के दौर में भारत को लचीली अर्थव्यवस्था की जरूरत: रघुराम राजन

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि केंद्रीय बजट 2026-27 में सरकार को अल्पकालिक राहत के बजाय दीर्घकालिक रणनीति पर ध्यान देना चाहिए, ताकि भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक लचीला और संकटों के प्रति मजबूत बनाया जा सके।

उन्होंने चेतावनी दी कि मौजूदा वैश्विक हालात भारत समेत पूरी दुनिया के लिए बेहद खतरनाक समय हैं। बजट सिर्फ सालान योजनाओं तक नहीं होनी चाहिए राजन ने कहा कि पहले भारत में पंचवर्षीय योजनाएं हुआ करती थीं, लेकिन तब भी बजट को उनसे प्रभावी ढंग से नहीं जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि 2026-27 का बजट सिर्फ सालाना योजनाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह दिखाना चाहिए कि भारत किस तरह अधिक लचीला, स्वतंत्र और तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन सकता है।

अमेरिका के साथ जारी व्यापारिक तनाव पर क्या बोले?

अमेरिका के साथ व्यापार तनाव पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि अगर तनाव और बढ़ता है, तो भारत को बाहरी शोर से कुछ समय के लिए दूरी बनाकर अपनी घरेलू आर्थिक सुधार प्रक्रिया पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि 1990 और 2000 के दशक की शुरूआत में हुए बड़े सुधारों के बाद अब एक नए सुधार दौर की जरूरत है, ताकि भारत की विकास दर में 2 प्रतिशत तक की अतिरिक्त वृद्धि की जा सके।

अनिश्चितता के दौर में भारत के पास क्या अवसर?

राजन ने कहा कि अमेरिका और अन्य महाशक्तियों की नीतिगत अनिश्चितता भारत के लिए एक अवसर भी है, जिससे वह वैश्विक सप्लाई चेन में अपनी भूमिका मजबूत कर सकता है। उन्होंने यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, पश्चिम एशिया और पूर्वी एशियाई देशों के साथ व्यापारिक संबंध बढ़ाने पर जोर दिया।

अस्थायी और असंतुलित विकास से बचने की जरूरत

उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अस्थायी और असंतुलित विकास से बचना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि हर शहर में मेट्रो परियोजनाओं और कुछ बुनियादी ढांचा निवेशों की उपयोगिता पर गंभीरता से विचार करना जरूरी है, क्योंकि ऐसी परियोजनाएं लंबे समय में आर्थिक बोझ बन सकती हैं।

सोना 1.62 लाख और चांदी 3.77 लाख के पार
कीमती धातुओं में ऐतिहासिक तेजी

नई दिल्ली। सोना और चांदी दोनों के दाम अचानक बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। इसकी वजह दुनिया भर में चल रहा तनाव, व्यापार विवाद और लोगों का सुरक्षित निवेश की तरफ रुख करना है। भारत में सोना करीब 1.62 लाख प्रति 10 ग्राम और चांदी 3.77 लाख प्रति किलो तक पहुंच गई है।

सोने और चांदी की कीमतों ने बुधवार को नया रिकॉर्ड बनाया। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार विवाद और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के चलते दोनों कीमती धातुओं में जबरदस्त तेजी देखने को मिली।

खास बात यह रही कि चांदी ने लगातार एक और सत्र में सोने से बेहतर प्रदर्शन किया। विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में टैरिफ से जुड़े मामले की सुनवाई और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आगामी ब्याज दर फैसले को लेकर बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। इसी कारण निवेशक सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे सोने और चांदी की कीमतों को समर्थन मिल रहा है।

वैश्विक बाजार में सोने की कीमत $5,200 प्रति औंस के पार पहुंच गई है। कमजोर अमेरिकी डॉलर और सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर बढ़ते रुझान ने सोने की मांग को मजबूत किया।

- बुधवार को सोने की कीमत में 0.4% की बढ़त हुई।
- पिछले सत्र में 3.4% की बड़ी छलांग लगाई।
- साल की शुरूआत से अब तक करीब 20% की तेजी रही।
- पहली बार $5,000 प्रति औंस का स्तर पार किया।
- वहीं चांदी ने और भी तेज उछाल दिखाया-
- साल की शुरूआत से अब तक 50% से अधिक की बढ़त हुई।
- कीमत बढ़कर $113.14 प्रति औंस पर पहुंची।
- बुधवार को 1% की तेजी रही।

बैंक हड़ताल से सेवाएं प्रभावित, 4 लाख करोड़ के चेक अटके

नई दिल्ली। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) की हड़ताल के चलते देशभर में कई जगहों पर जमा और निकासी जैसी शाखा बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं। साथ ही, 4 लाख करोड़ रुपये के चेक क्लियरेंस में अटक गए। यूनियन की मांग सप्ताह में पांच कार्य दिवस को लागू करने की है। नौ यूनियनों के समूह यूएफबीयू की ओर से आयोजित यह हड़ताल 23 जनवरी को मुख्य श्रम आयुक्त के साथ हुई बैठक के विफल होने के बाद हुई।

यूएफबीयू की हड़ताल में सरकारी बैंकों की विभिन्न यूनियनों के 8 लाख कर्मचारियों ने भाग लिया। ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉई एसोसिएशन के महासचिव सी एच वेंकटचलम ने बताया, नकद लेनदेन प्रभावित हुए और बिल ट्रेडिंग, बिल डिस्काउंटिंग और ट्रेडिंग पर असर पड़ा। सरकारी बैंकों में कई जगहों पर ट्रेजरी संचालन भी बंद रहा। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन के महासचिव रूपम रॉय ने बताया, दिसंबर, 2023 में हुई चचाओं के बाद यह सहमति बनी थी कि सोमवार से शुक्रवार तक दैनिक कार्य समय में 40 मिनट की वृद्धि की जाएगी। शेष शनिवार को अवकाश घोषित किया जाएगा।

एशियन पेंट्स का लाभ घटकर 1,128 करोड़

नए श्रम संहिता के लागू होने के चलते एशियन पेंट्स का मुनाफा दिसंबर तिमाही में 4 फीसदी घटकर 1,073.92 करोड़ रुपये रह गया है। राजस्व 3.71 फीसदी बढ़कर 8,867 करोड़ रुपये हो गया। 157.61 करोड़ ग्रेच्युटी में वृद्धि के लिए और 63.74 करोड़ के एकमुश्त खर्च व 93.87 करोड़ के व्हाइट टीक के अधिग्रहण जैसे खर्चों से लाभ में कमी आई।

मैरिको को 460 करोड़ रुपये का फायदा

मैरिको लि. को दिसंबर तिमाही में 460 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में यह 13.3 फीसदी अधिक है। राजस्व 26.6 फीसदी बढ़कर 3,537 करोड़ रुपये हो गया। खर्च 29.8 फीसदी बढ़कर 3,009 करोड़ हो गया।

145 अरब डॉलर निवेश जुटाने की जरूरत

सतत आर्थिक विकास और शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों के बीच के अंतर को पाटने के लिए भारत को ऊर्जा क्षेत्र में 145 अरब डॉलर का वार्षिक निवेश जुटाने की जरूरत होगी। वुड मैकेन्जी के एशिया प्रशांत क्षेत्र के उपाध्यक्ष जोशुआ न्गु ने इंडिया एनर्जी वीक में कहा, भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए पूंजी का उपयोग रणनीतिक रूप से बिजली उत्पादन, ऊर्जा भंडारण और ग्रिड के तत्काल आधुनिकीकरण पर केंद्रित होना चाहिए। जोशुआ न्गु ने कहा, भारत का अगला दशक निर्णायक है। भारत को तात्कालिक ऊर्जा सुरक्षा के जोखिम को कम करना होगा। साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए जरूरी कम कार्बन उत्सर्जन वाली संरचना का निर्माण करना होगा। निवेश विकल्प यह तय करेंगे कि देश कार्बन बुनियादी ढांचे में फंसा रहेगा या कम कार्बन उत्सर्जन वाले औद्योगीकरण में विश्व का नेतृत्व करेगा। मैकेंजी ने कहा, विद्युत क्षेत्र भारत में उत्सर्जन का बड़ा स्रोत होने के साथ ऊर्जा परिवर्तन का इंजन भी है।

टाटा कंज्यूमर का फायदा 36 फीसदी बढ़ा

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स को तीसरी तिमाही में 384.52 करोड़ का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 36.4 फीसदी अधिक है। राजस्व 15 फीसदी बढ़कर 5,112 करोड़ हो गया। खर्च 4,582.24 करोड़ रहा, जो 12.11 फीसदी अधिक है। अन्य आय सहित टाटा कंज्यूमर की आय 14 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 5,145.01 करोड़ रही।

राशिफल

मेष: आर्थिक प्रगति का दिन है। मित्र के माध्यम से पुराने धन की प्राप्ति होगी। किसी विशेष कार्य के होने से प्रसन्नता का अनुभव होगा।

वृष: आपके लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है क्योंकि आप अपने दिन को बेहतर बनाने में अपनी ओर से कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे।

मिथुन: आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आप जो भी काम हाथ में लेंगे, वो जरूर पूरा होगा। काम की गति बनी रहेगी, आप खुद को रिलेक्स फील करेंगे।

कर्क: आपको कार्यक्षेत्र की सक्रियता के बेहतर परिणाम मिलेंगे। यदि आप जॉब की तलाश में हैं तो सफलता मिलने की प्रबल सम्भावना है।

सिंह: आपके लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। मानसिक रूप से आप काफी खुश और मजबूत रहेंगे। मन में प्रसन्नता होगी। हर्ष रहेगा और प्रेम की भावना रहेगी।

कन्या: एनर्जी अच्छी रहेगी। एनर्जी का इस्तेमाल किसी अच्छे काम में लगा सकते हैं। इससे फायदा होगा। किसी बिजनेस स्पीच के लिये तैयारी भी कर सकते हैं।

तुला: आपके घर में किसी शुभ प्रसंग के आयोजन की संभावना है। आपके बच्चे भी घर में खुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे।

वृश्चिक: आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। परिवार में खुशी के पल आएंगे। परिवार के लोगों के साथ बेहतर समय बिताएंगे जिससे सभी के बीच सामंजस्य बढ़ेगा।

धनु: आज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ रहेगा। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं। आज आप अपने काम में पूरा आनंद लेंगे।

मकर: अचानक धन लाभ अथवा हानि की संभावना बन रही है इसलिए थोड़ा सतर्क रहें। निवेश संबंधी मामलों में सोच-विचार कर निर्णय लेने से लाभ की प्राप्ति होगी।

कुंभ: दिन बहुत बढ़िया रहेगा क्योंकि स्वास्थ्य में सुधार होगा और मन भी मजबूत बनेगा। किसी प्रकार के तनाव से जो परेशान चल रहे थे अब छुटकारा मिलेगा

मीन: आपके लिए दिन फायदेमंद साबित हो सकता है। आपको पहले किए गए किसी काम से मुनाफा हो सकता है। लोग आपके काम की तारीफ कर सकते हैं।

चुटकुले

भाई कितनी भी पढ़ाई कर लो, डिग्री-विग्री ले लो...
लेकिन रेस्टोरेंट के दरवाजे पर Push और Pull
देखते ही 2-3 सेकंड के लिए सोचना जरूर पड़ता है
कि दरवाजा धकेलना है कि खींचना।

नंबर वाला चश्मा... उतारने का घरेलू उपाय...
पहले दाएं हाथ में दाईं डंडी पकड़ें
फिर बायें हाथ में बाईं डंडी पकड़ें
धीरे से चश्मा आगे की तरफ खींचें
चश्मा उतर जायेगा।

पिता- बेटा, 5 के बाद क्या आता है?
बेटा- 6 और 7?
पिता- वाह मेरा समझदार बेटा। और 6,7 के बाद?
बेटा- 8,9,10।
पिता- क्या बात है बेटा वाह, और उसके बाद?
बेटा- गुलाम, बेगम, बादशाह।

29 01 2026 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं — आज के जन्मदिन

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

मुसेटी के हटने से जोकोविच सेमीफाइनल में पहुंचे

मुसेटी ने पहले दो सेट 6-4, 6-3 से जीते। उन्होंने तीसरे सेट के तीसरे गेम में अपने दाहिने पांव के ऊपरी हिस्से में चोट लगने के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उन्होंने एक और गेम खेला, लेकिन फिर आगे नहीं खेल सके।

रयबाकिना और पेगुला की भी अंतिम चार में एंट्री

मेलबर्न। रिकॉर्ड 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच का भाग्य ने साथ दिया और वह बुधवार को मेलबर्न में लोरेंजो मुसेटी के पहले दो सेट जीतने के बाद तीसरे सेट में चोट के कारण मैच से हटने से ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त मुसेटी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए।

मुसेटी ने पहले दो सेट 6-4, 6-3 से जीते। उन्होंने तीसरे सेट के तीसरे गेम में अपने दाहिने पांव के ऊपरी हिस्से में चोट लगने के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उन्होंने एक और गेम खेला, लेकिन फिर आगे नहीं खेल सके। जब मुसेटी ने मैच से हटने का फैसला किया तब जोकोविच तीसरे सेट में 3-1 से आगे चल रहे। इस तरह से 38 वर्षीय जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना 11वां खिताब और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद जारी रखी, लेकिन उनका कहना है कि इस बार वे भाग्यशाली रहे। जोकोविच ने कहा, 'मुझे उसके लिए बहुत दुख हो रहा है। वह आज मुझसे कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहा था। आज के दिन मेरी छुट्टी होने वाली थी। खेल में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ है।' पांचवें गेम में डबल फॉल्ट करने के बाद जोकोविच को ब्रेकप्वाइंट का एक और मौका मिला। मुसेटी ने अपने चेहरे पर हाथ फेरा, वह नेट की ओर गए और फिर अपना हेडबैंड उतार दिया। उन्होंने जोकोविच से हाथ मिलाया और कोर्ट से बाहर चले गए। पिछले साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में भी मुसेटी बाएं पैर की चोट के कारण मैच से हट गए थे। तब उन्होंने आखिर में चैंपियन बने कार्लोस अल्काराज से एक सेट जीत लिया था। सेमीफाइनल में जोकोविच का मुकाबला दो बार के मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर और आठवें नंबर के खिलाड़ी बेन शेल्टन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

अश्मिता चालिहा ने थाईलैंड मास्टर्स में बिखेरा जलवा

महिला एकल वर्ग के मुख्य ड्रॉ में पहुंचीं

नई दिल्ली। अश्मिता चालिहा ने दो कड़े मुकाबले जीतकर थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 के महिला एकल मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। अब मुख्य ड्रॉ में उनका सामना साथी भारतीय खिलाड़ी देविका सिहाग से होगा।

भारत की अश्मिता चालिहा ने दो कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज कर थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया। गुवाहाटी की 26 वर्षीय खिलाड़ी, जो सेलंगोर में आयोजित 2024 एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं, ने क्वालिफिकेशन के अपने पहले मुकाबले में चीनी ताइपे की हंग यी-टिंग को 42 मिनट चले मुकाबले में 21-15, 12-21, 21-12 से हराया।

इसके बाद अश्मिता ने कोरिया की किम जू यून की कड़ी चुनौती को पार करते हुए 45 मिनट में 21-11, 10-21, 21-16 से जीत हासिल की। मुख्य ड्रॉ में अश्मिता का सामना अब साथी भारतीय खिलाड़ी देविका सिहाग से होगा। अन्य मुकाबलों में, श्रेया लेले को क्वालीफिकेशन दौर में इंडोनेशिया की नी कादेक धिंदा अमर्त्या प्रतिवी से 12-21, 21-12, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। मिक्स्ड डबल्स क्वालिफिकेशन में एम जगलान और एल जगलान की जोड़ी को चीनी ताइपे के बो-युआन चेन और सुंग यी-शुआन ने एकतरफा मुकाबले में 21-12, 21-8 से पराजित किया।

टी-20 विश्वकप के बाद बांग्लादेश के निशाने पर व-19 विश्वकप, आईसीसी पर लगाया पक्षपात का आरोप

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 को लेकर आईसीसी से टकराव के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) एक बार फिर आईसीसी के खिलाफ मुखर हो गया है। इस बार मामला अंडर-19 विश्व कप से जुड़ा है। टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद बीसीबी ने आईसीसी पर अनुचित और पक्षपातपूर्ण शेड्यूलिंग का आरोप लगाया है।

टी-20 विश्व कप 2026 से पहले ड्रामा करके बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का मन नहीं भरा था, अब उन्होंने अंडर-19 विश्व कप में भी नया क्लेश करने की ठान ली है। भले ही उनकी अंडर-19 टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है, लेकिन बीसीबी ने नए बयान से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर अनुचित कार्यक्रम का आरोप लगाया है।

ICC
U19 MEN'S CRICKET
WORLD CUP
ZIMBABWE & NAMIBIA 2026

हबीबुल बशर का आईसीसी पर क्या है आरोप: बीसीबी के गेम डेवलपमेंट कोऑर्डिनेटर हबीबुल बशर ने कहा कि टीम की हार के पीछे केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि खिलाड़ियों पर डाले गए अत्यधिक यात्रा दबाव की भी बड़ी भूमिका रही। उन्होंने स्वीकार किया कि इंग्लैंड और भारत के खिलाफ मुकाबलों में रणनीतिक चूक रही, लेकिन साथ ही यात्रा कार्यक्रम को अनुचित बताया। हबीबुल बशर ने डेली स्टार से बातचीत में कहा, 'लोग इसे बहाना कह सकते हैं, लेकिन यात्रा कार्यक्रम ऐसा था कि खिलाड़ियों पर बेवजह का शारीरिक और मानसिक दबाव पड़ा।'

बार-बार बदला गया कार्यक्रम, बढ़ी परेशानी: बांग्लादेश की अंडर-19 टीम को शुरूआत में मसविंगो में दो वॉर्म-अप मैच खेलने थे, जिसके बाद उन्हें मुख्य मुकाबलों के लिए हरारे जाना था। लेकिन टूर्नामेंट से ठीक पहले आईसीसी ने कार्यक्रम बदल दिया। इसके बाद टीम को दो अलग-अलग शहरों में अभ्यास मैच खेलने पड़े, जिनके बीच करीब चार घंटे की दूरी थी। बशर ने कहा,' भारत के खिलाफ मैच से पहले खिलाड़ियों को थकान से बचाने के लिए बीसीबी को अपनी जेब से आंतरिक फ्लाइट का इंतजाम करना पड़ा, क्योंकि बस यात्रा लंबी और थकाने वाली थी।'

टेनिस खिलाड़ियों के साथ चिड़ियाघर के जानवरों जैसा व्यवहार, इगा ने गॉफ को क्यों सही ठहराया

मेलबर्न। टूर्नामेंट्स की लोकप्रियता और प्रसारण अधिकारों की दौड़ ने खिलाड़ियों की निजता को पीछे धकेल दिया है। कोको गॉफ और इगा स्वियातेक दोनों ने संकेत दिया है कि टेनिस को उस संतुलन की जरूरत है जहां खिलाड़ी केवल कंटेंट न हों, बल्कि इंसान भी हों, जिन्हें थोड़ी निजता और भावनात्मक जगह चाहिए। सवाल यह नहीं कि कैमरे हटें, बल्कि यह कि उनकी सीमा तय कौन करेगा?

ऑस्ट्रेलियन ओपन में इस बार केवल रैकेट और रैली ही चर्चित नहीं हैं, बल्कि एक बड़ा सवाल उभर आया है '। क्या टेनिस खिलाड़ियों की निजता का हनन हो रहा है? इस मुद्दे की शुरूआत अमेरिकी स्टार कोको गॉफ ने की, और फिर विश्व नंबर दो इगा स्वियातेक ने इसे और मजबूती से उठाया।

गॉफ का दर्द : हर जगह कैमरे और 'निजता' का अभाव

गॉफ हाल ही में क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हुईं और कोर्ट के बाहर निराशा में रैकेट तोड़ती दिखीं। उनका वीडियो वायरल हुआ, जिस पर उन्होंने असंतोष जताते हुए कहा कि खिलाड़ियों को लगभग लॉकर रूम से लेकर कोर्ट तक हर जगह कैमरों द्वारा ट्रैक किया जाता है।

गॉफ ने माना कि उन्हें कभी-कभी ऐसे पलों को निजी रखना होता है, लेकिन कैमरों की वजह से यह असंभव हो जाता है। उन्होंने बताया, 'ऐसा ही कुछ मेरे साथ यूएस ओपन फाइनल के बाद हुआ था... मुझे लगा कहीं कैमरा नहीं होगा लेकिन फिर भी सब रिकॉर्ड हो गया।'

स्वियातेक का समर्थन और ह्यचिड़ियाघरह्न वाला सवाल

इसी मुद्दे पर स्वियातेक से हार के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवाल पूछा गया, तो उन्होंने तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'सवाल यह है कि हम टेनिस खिलाड़ी हैं या हम चिड़ियाघर के जानवरों की तरह हैं, जहां उनकी शौच करते समय भी निगरानी की जाती है?' हालांकि, उन्होंने यह स्वीकारते हुए माफी भी मांगी कि यह तुलना अतिशयोक्ति है, लेकिन उनका मूल मुद्दा साफ था कि खिलाड़ियों को कम से कम कुछ सुरक्षित निजी स्थान मिलने चाहिए। स्वियातेक ने यह भी कहा कि मैच से ठीक पहले वे कुछ तकनीकी चीजों की प्रैक्टिस करना चाहती हैं, जो वे कैमरों के सामने नहीं करना चाहतीं।

सुरक्षा बनाम निजता: पहचान पत्र वाला विवाद

हाल ही में स्वियातेक एक और वायरल वीडियो की वजह से चर्चा में रहीं। उन्होंने अपना पहचान पत्र भूल लिया, जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोक दिया। दुनिया की सबसे बड़ी टेनिस स्टार्स में शामिल होने के बावजूद उन्हें प्रोटोकॉल का पालन करना पड़ा। इस घटना ने एक और पहलू उजागर किया कि सुरक्षा आवश्यक है, लेकिन निगरानी सर्वव्यापी हो चुकी है। आज ज्यादातर टूर्नामेंट्स में कैमरों की पहुंच लगभग हर जगह है। स्टेडियम के अंदर के निजी हिस्से भले ही लाइव न दिखाए जाएं, लेकिन क्लिप्स अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल हो जाते हैं, कभी प्यारे, कभी जानकारीपूर्ण और कभी बेहद व्यक्तिगत।

सूर्यकुमार सातवें स्थान पर, अभिषेक शीर्ष पर कायम; ईशान, दुबे और रिंकू ने लगाई लंबी छलांग

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर आईसीसी की टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच स्थान की छलांग लगाकर सातवां स्थान हासिल किया, जबकि अभिषेक शर्मा शीर्ष पर बने हुए हैं। ईशान किशन, शिवम दुबे और रिंकू सिंह सहित कई भारतीय खिलाड़ियों ने टी20 रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई। वहीं, हार्दिक पांड्या ऑलराउंडरों में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन के दम पर बुधवार को आईसीसी की पुरुष टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पांच पायदान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत ने इस सीरीज के अब तक खेले गए तीनों मैच जीत लिए हैं। एक समय टी20 रैंकिंग में नंबर एक रहे सूर्यकुमार ने इन मुकाबलों में 32, नाबाद 82 और नाबाद 57 रन बनाए, जिससे उनकी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

अभिषेक शीर्ष पर बरकरार

टी20 विश्व कप से पहले भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, जबकि तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, चोट के कारण तिलक वर्मा इस श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले पा रहे हैं। रायपुर में खेले गए दूसरे मैच में 32 गेंदों पर 76 रन की शानदार पारी खेलने वाले ईशान किशन ने रैंकिंग में दोबारा प्रवेश करते हुए 64वां स्थान हासिल किया है। इसके अलावा, शिवम दुबे नौ पायदान ऊपर चढ़कर 58वें और रिंकू सिंह 13 स्थान की छलांग लगाकर 68वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दुबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-1 से सीरीज जीतने के दौरान बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान दो पायदान ऊपर चढ़कर 13वें, जबकि रहमानुल्लाह गुरबाज तीन पायदान ऊपर 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ह्यप्लेयर ऑफ द सीरीजह्न रहे दरवेश रसूली ने 29 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 87वां स्थान हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मार्क्रम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच में खेली गई 47 गेंदों पर नाबाद 86 रन की पारी के दम पर बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 20 में जगह बनाई है। वहीं, वेस्टइंडीज के ब्रैंडन किंग 15 पायदान ऊपर चढ़कर 35वें और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स 18 स्थान की छलांग लगाकर 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग - बल्लेबाज

टीम	बल्लेबाज	रेटिंग
भारत	अभिषेक शर्मा	929
इंग्लैंड	फिल सॉल्ट	849
भारत	तिलक वर्मा	781
इंग्लैंड	जोस बटलर	770
पाकिस्तान	साहिबजादा फरहान	763
श्रीलंका	पथुम निसांका	758
भारत	सूर्यकुमार यादव	717
ऑस्ट्रेलिया	ट्रैविस हेड	713
ऑस्ट्रेलिया	मिचेल मार्श	684
न्यूजीलैंड	टिम सीफर्ट	669

गेंदबाजों की रैंकिंग में भी भारतीय खिलाड़ियों को फायदा

गेंदबाजों की टी20 रैंकिंग में अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान पांच पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के जसप्रीत बुमराह चार पायदान ऊपर 13वें, जबकि रवि बिश्नोई 13 स्थान की छलांग लगाकर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश आठ पायदान ऊपर चढ़कर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 32वीं रैंकिंग पर पहुंचे हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पांड्या तीसरे स्थान पर

भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने तीन मैचों में चार विकेट लेकर गेंदबाजों की रैंकिंग में 18 पायदान की छलांग लगाई और 59वें स्थान पर पहुंच गए। बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी वह दो स्थान ऊपर चढ़कर 53वें स्थान पर काबिज हो गए हैं। ऑलराउंडरों की सूची में पांड्या एक पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वनडे रैंकिंग की बात करें तो इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक 17 पायदान ऊपर चढ़कर 11वें, जबकि जो रूट 23वें से 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

क्या बांग्लादेश के हटने से 17.6 करोड़ दर्शक खो देगा आईसीसी, फैंस के हत्थे क्यों चढ़े पाकिस्तान के यूसुफ

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने बांग्लादेश के टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने पर दावा किया कि आईसीसी की व्यूअरशिप कम होगी, लेकिन कम्युनिटी नोट ने उनकी बात को गलत साबित किया। इस बीच पाकिस्तान बांग्लादेश के समर्थन में टूर्नामेंट से हटने पर विचार कर रहा है, लेकिन ऐसा कदम उसे विश्व क्रिकेट में आर्थिक और राजनीतिक नुकसान पहुंचा सकता है।

पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने बांग्लादेश के टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के मुद्दे पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान दिया, जिसने क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी। यूसुफ ने दावा किया कि बांग्लादेश को बाहर किए जाने से आईसीसी को भारी व्यूअरशिप नुकसान होगा। उन्होंने लिखा कि न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, स्कॉटलैंड, नेपाल, नीदरलैंड, आयरलैंड, नामीबिया, जिम्बाब्वे, श्रीलंका और अफगानिस्तान की संयुक्त व्यूअरशिप लगभग उतनी ही है जितनी अकेले बांग्लादेश की।

यूसुफ ने क्या कहा?

मोहम्मद यूसुफ ने अपने पोस्ट में लिखा, 'न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, स्कॉटलैंड, नेपाल, नीदरलैंड्स, आयरलैंड, नामीबिया, जिम्बाब्वे, श्रीलंका और अफगानिस्तान, इन सभी देशों की संयुक्त क्रिकेट दर्शक संख्या उतनी ही होती है, जितनी अकेले बांग्लादेश पैदा करता है।

10 देशों की संयुक्त संख्या: 178 मिलियन

दुनिया भर के दर्शकों से चलने वाले खेल में, बांग्लादेश की सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज करना संगतता और शासन पर सवाल उठाता है। क्रिकेट प्रभाव से नहीं, सिद्धांत से चलना चाहिए।' यूसुफ का संकेत साफ था कि बांग्लादेश जैसे दर्शक-आधारित देश को हटाना आईसीसी के लिए लाभदायक नहीं है।'

फैक्ट चेक में क्या निकला?

हालांकि, यूसुफ के बयान के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर कम्युनिटी नोट के जरिए उनकी बात को फैक्ट-चेक किया गया। नोट में लिखा गया, 'यूसुफ द्वारा बताए गए आंकड़े (178 और 176 मिलियन) वास्तविक व्यूअरशिप नहीं, बल्कि संबंधित देशों की जनसंख्या हैं। वैश्विक व्यूअरशिप शेयर में बांग्लादेश की हिस्सेदारी लगभग चार-पांच प्रतिशत है, जबकि ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में टीवी पैठ अधिक है।' यानी यूसुफ के तर्क की नींव आंकड़ों पर नहीं बल्कि जनसंख्या पर थी, न कि वास्तविक क्रिकेट व्यूअरशिप पर।

पाकिस्तान की अजीब स्थिति

बांग्लादेश के हटते ही पाकिस्तान में एक अलग तरह की बहस शुरू हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान बांग्लादेश के समर्थन में टूर्नामेंट से हटने का विकल्प पर विचार कर रहा है। इसी संदर्भ में पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की और रणनीति पर चर्चा की।

हालांकि, सरकार ने एक सप्ताह बाद अंतिम फैसला लेने की बात कही है, मगर बहिष्कार की स्थिति में पाकिस्तान को नुकसान हो सकता है। पीसीबी को कड़ी पाबंदियां, वित्तीय नुकसान झेलने पड़ सकते हैं।

अब तो भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करना भी पाकिस्तान को पड़ेगा भारी

दुबई। पाकिस्तान में टी-20 वर्ल्ड कप और भारत मैच बहिष्कार को लेकर चचाएं गर्म हैं, लेकिन क्ळउ समझौते और प्रसारकों के आर्थिक हितों के चलते ढउइ पर लगभग 38 मिलियन डॉलर का कानूनी खतरा मंडरा रहा है।

नकवी की पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से चर्चा तो हुई, पर अंतिम फैसला अभी बाकी है। आर्थिक और कानूनी जोखिमों को देखते हुए बहिष्कार की संभावना न के बराबर दिखती है।

टी-20 विश्व कप से पहले चल रहे बवाल ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। पहले बांग्लादेश भारत में मैच नहीं खेलने की जिद्द पर अड़ा रहे और फिर उसे आईसीसी ने टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इसके बाद अब पाकिस्तान का ड्रामा चालू हो गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की, जिससे कयास लगाए जाने लगे कि पाकिस्तान या तो टूर्नामेंट का बहिष्कार करेगा या भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगा, लेकिन इस चर्चा के गंभीर कानूनी और आर्थिक नतीजे सामने आए हैं।

श्रीकांत ने कसा तंज- अरे पाकिस्तान...मत आना

पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को भी दी चेतावनी

नई दिल्ली। मोहसिन नकवी के बांग्लादेश के समर्थन में टी20 विश्व कप से हटने की बात पर भारत के पूर्व क्रिकेटर श्रीकांत ने तंज किया और कहा कि पाकिस्तान मत आए वरना पिट जाएगा। पाकिस्तान ने स्क्वॉड तो घोषित कर दिया है, लेकिन सरकारी मंजूरी अभी बाकी है। मामला अब राजनीति, कूटनीति और क्रिकेट, तीनों के बीच फंसा है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने एक बार फिर क्रिकेट और राजनीति को साथ जोड़कर विवाद खड़ा कर दिया है। बांग्लादेश को टी20 वर्ल्ड कप 2026 से हटाए जाने के बाद नकवी ने संकेत दिए कि पाकिस्तान एकजुटता दिखाने के लिए टूर्नामेंट से हट सकता है। इस बयान पर भारत के 1983 विश्व कप विजेता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कड़ा रिएक्शन दिया है।

बांग्लादेश मुद्दा और नकवी का बयान

बांग्लादेश ने अपने मैच न्यूट्रल वेन्यू (जैसे श्रीलंका) में कराने की मांग की थी, जो स्वीकार नहीं हुई। इसके बाद बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया। इसी मुद्दे पर मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान टी20 विश्व कप से हटने पर विचार कर रहा है। नकवी की यह टिप्पणी पाकिस्तान में राजनीतिक हलकों में खूब चल रही है, पर क्रिकेट विशेषज्ञ इसे राजनीति साधने का प्रयास भी कह रहे हैं।

मोहसिन नकवी के बयान पर टीम इंडिया के पूर्व ओपनर और वर्ल्ड कप चैंपियन कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'अरे पाकिस्तान, मत आना। तुम्हारे मोहन नकवी बोल रहे हैं न.... मत आना। वरना पिट जाओगे। कोलंबो में छक्का मारा तो चेन्नई में गिरेगा। सबसे अच्छा ऑप्शन है बहाना ढूंढो और मत आओ।'

श्रीकांत यहीं नहीं रुके, उन्होंने टीम इंडिया की जबरदस्त फॉर्म का उदाहरण देते हुए कहा, 'पिछले मैच में भारत ने 15 ओवर में 209 किए, इस बार 10 ओवर में 150। इसे देखकर कई टीमें बोलेंगी- हम नहीं आ रहे, कप तुम रख लो। ऐसी हिटिंग टी20 में कभी नहीं देखी।'

पाकिस्तान टीम घोषित, पर सरकारी क्लियरेंस नहीं

दिलचस्प बात यह है कि नकवी के बयान के कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 स्क्वॉड का एलान कर दिया, लेकिन भागीदारी पर अब भी अनिश्चितता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीसीबी मैनेजमेंट ने कहा कि सरकार से अब तक हरी झंडी नहीं मिली है। लाहौर में खिलाड़ियों और कोचों से नकवी ने कहा, 'हम सरकार की सलाह का इंतजार कर रहे हैं। सरकार जो कहेगी वही करेंगे। अगर वे कहेंगे कि नहीं जाना, तो हम नहीं जाएंगे।' पाकिस्तान का वर्ल्ड कप में खेलना या न खेलना अब महज क्रिकेट का मुद्दा नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक और राजनयिक फैसला बन गया है। वहीं श्रीकांत का बयान स्पष्ट करता है कि भारत में इस मुद्दे को राजनीति नहीं, मैदान से जोड़ा जा रहा है और टीम इंडिया की फॉर्म को देखते हुए चेतावनी भी व्यंग्य में दी जा रही है।

अजित पवार के निधन पर भावुक हुए सचिन तेंदुलकर

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत पांच लोगों की मौत बुधवार सुबह पुणे जिले में एक विमान दुर्घटना में हो गई। इस घटना से देश भर में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी अजित पवार के निधन पर दुख जताया है। खेल जगत से भी इस पर प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के अचानक हुए निधन ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। राजनीतिक गलियारों से लेकर आम लोगों तक शोक की लहर फैल गई है। इसी बीच भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी गहरे दुख में डूबे नजर आए।

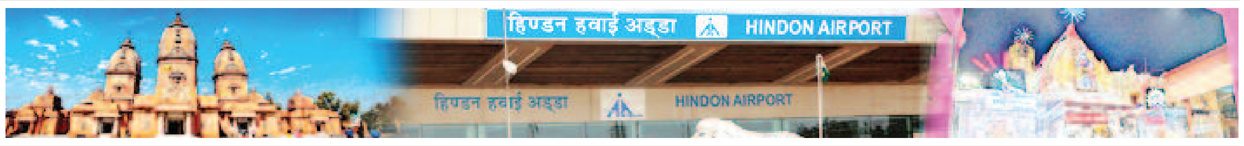

गणतंत्र दिवस पर हाई डिमांड रहे कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी

राज नगर से लेकर प्रताप विहार तक के कार्यक्रमों में रहे मौजूद

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गणतंत्र दिवस 2026 के मौके पर वरिष्ठ पार्षद और नगर निगम कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष डिप्टी मेयर प्रवीण चौधरी एक बार फिर अपनी सक्रियता और कार्यकुशलता से सुर्खियों में रहे। वह गाजियाबाद के विभिन्न प्रमुख कार्यक्रमों में अतिथि के रूप में शामिल हुए, जहां उनकी उपस्थिति ने आयोजनों को और भी भव्य और प्रभावशाली बना दिया। इस वर्ष, प्रवीण चौधरी गाजियाबाद के विभिन्न हिस्सों में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोहों में मुख्य अतिथि, वरिष्ठ अतिथि और प्रमुख अतिथि के रूप में शामिल हुए। राजनगर सेंट्रल पार्क से लेकर कमला नेहरू नगर, विजय नगर और स्कूलों तक के कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति एक महत्वपूर्ण आकर्षण रही। प्रवीण चौधरी की गणतंत्र दिवस पर हाई डिमांड इस बात का गवाह है कि उनकी प्रत्येक उपस्थिति आयोजनों को ऊंचा मुकाम देती है। गणतंत्र दिवस पर वो राजनगर सेंट्रल पार्क कार्यक्रम में पहुंचे। राजनगर सेंट्रल पार्क में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जो इस वर्ष का सबसे बड़ा आयोजन था। यहाँ उन्होंने 120 फीट ऊंचे तिरंगे को लहराया। इस कार्यक्रम में सांसद अतुल गर्ग मुख्य अतिथि थे, जबकि प्रवीण चौधरी वरिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

जिला जज बिहार शैलेंद्र प्रताप सिंह भी इस अवसर पर कार्यक्रम में शामिल हुए। एनसीसी कैडेट्स ने मार्च पास्ट करके इस आयोजन की शोभा को बढ़ाया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। तो वहीं सरस्वती विद्या मंदिर, राजनगर में कार्यक्रम में ध्वजारोहण समारोह में भाग लिया। यहाँ भी उन्होंने ध्वज को सलामी दी और कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना की। इसके बाद, वह प्रताप विहार कल्याण समिति के गणतंत्र दिवस समारोह में पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल हुए। इस समारोह में उन्होंने विशेष तौर पर बच्चों और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया और उन्हें उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। उधर कमला नेहरू नगर स्थित केंद्रीय कर्मचारी कल्याण समिति के कार्यक्रम में भी वह उपस्थित हुए और यहाँ उन्होंने अपने विचार रखे। यहां के कार्यक्रम में समाज के विभिन्न तबकों के लोग शामिल हुए थे, जहां उन्होंने अपने अनुभवों को साझा किया और लोगों से मुलाकात की।

वहीं प्रवीण चौधरी ने राजनगर सेक्टर 11 और शास्त्री नगर के गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज की। इन दोनों स्थानों पर वह अतिथि के रूप में शामिल हुए और वहां के आयोजकों को धन्यवाद दिया। बता दें कि प्रवीण चौधरी की उपस्थिति ने साबित किया कि उनकी हर जगह डिमांड क्यों है। वह जिस भी कार्यक्रम में जाते हैं, वह बड़ा हो जाता है। उनके शानदार व्यक्तित्व और सहज व्यवहार की वजह से लोग उनसे जुड़ने और उन्हें सुनने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उनके साथ संवाद में लोगों को हमेशा एक नई प्रेरणा और उत्साह मिलता है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि प्रवीण चौधरी का व्यक्तित्व और उनकी कार्यशैली गाजियाबाद के जनमानस में उन्हें और अधिक लोकप्रिय बना रही है। उनके द्वारा हर कार्यक्रम में भाग लेने से न केवल कार्यक्रम की गुणवत्ता बढ़ती है, बल्कि वह लोगों से संपर्क कर उनके बीच अपनी छाप छोड़ते हैं।

उठा है उस मौहल्ले में हल्ला, क्यों बता दिया उन्होंने बिस्मिल को मुल्ला

किस्सा उस मौहल्ले का है जहां पर इस बात को लेकर रार चल रही है कि पार्क में लगी मूर्ति को हटा दिया जाये। अब ये सरकार का असर है कि भामाशाह वाले भी इन दिनों तानाशाह वाले लहजे में बात कर रहे हैं। माना कि जिसने चलती में ना चलाई वो भला काहे का भगवाई। मगर ये बात समझ में नही आई कि उन्हें बिस्मिल कैसे मुल्ला दिखाई देने लगे। पुरानी मूर्ति लगी है और जब जब भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, राजगुरू, सहदेव का नाम आयेगा तब तब राम प्रसाद बिस्मिल का नाम आयेगा। मान लिया कि नई आजादी के बाद अशफाक उल्ला की मूर्ति को लेकर हल्ला गुल्ला हो सकता है। मगर इन आजादी के नए मतवालों को कौन समझाये कि अरे बावलो राम प्रसाद बिस्मिल कौन थे। वैसे भी बिस्मिल तो घायल को कहते हैं और जिस घायल की मूर्ति हटाने चलो हो उस घायल ने इस वतन के लिए अपने प्राणों की आहूति दी थी। सुना है कि भामाशाह वाले इस बात का प्लान कर रहे हैं कि बिस्मिल को उखाड़ कर समाज के युग प्रवर्तक की मूर्ति लगा दें। प्लान तैयार हो रहा है बस मूर्ति तैयार होनी बाकी है।

थाने का सेवादार जब नहीं छूटा तो कौन से इंस्पेक्टर हो गये नाराज

पुरानी कहावत है कि सेवा के बदले मेवा मिलता है और सेवादार की छोटी मोटी गलती इग्नोर की जाती है। एक थाने का सेवादार किसी से उलझ गया और फिर ऐसा उलझा कि अपने साथ तीन और साथियों को लेकर थाने तक आ गया। मामला हाथापाई का था लिहाजा सिपाही ने सेवादार की सेवाओं को इग्नोर करते हुए उन्हें मुशियाने में बिठा दिया। थाने के सेकेंड कोतवाल को जब ये बात पता चली तो उन्होंने सेवादार की सेवाओं का लिहाज किया। मुंशियाने में फोन किया कि सेवादार को छोड़ दिया जाये। कोतवाल की बात में वजन नहीं था या फिर सेवादार की मारपीट बड़ी थी। जो भी हो सेवादारकी रात थाने में कट गई। सुबह जब ये बात सेकेंड इंस्पेक्टर को पता चली तो उनका भी पारा हाई हो गया। सुना है कि सेवादार को लेकर उन्होंने पहले तो मुंशियाने को गर्म किया और फिर नाराजगी का पारा बढ़ता चला गया। थानेदार इस बात पर आग बबूला थे कि हमारे आदेशों का पालन अगर मुंशियाना और मोहर्रिर भी नहीं करेंगे तो फिर कौन करेगा। जब हमने कहा छोड़ो तो क्यों नहीं छोड़ा। सुना है इसके बाद चीफ कोतवाल इस पूरी कहानी में आये और उन्होंने किसी तरह वर्दी वाले दुर्वासा ऋषि को शांत किया।

मदन-इन-लॉ अगर हो जातीं पहले खत्म फिर देखते यहां के फूलों का मातम

पुरानी कहावत है कि जब राजा जी का डॉग खत्म हुआ तो दरबारियों से लेकर सामाजिक जिम्मेदारियों ने छाती पीट ली। राजा जी का डॉग है तो शोक वाला फॉग पूरे राज्य में पसर गया। मगर जब राजा जी खत्म हुए तो काय का शोक और काय का मातम। किस्सा भगवाई ने ही सुनाया और कहा कि इ जिला गाजियाबाद है भैय्या। जो लोग सगाई की वर्षगांठ की शुभकामनाएं देते थे और उन्हें जीजा जी मानतेथे। उनकी भी कोई पोस्ट दिखाई नहीं दी।

संजय नगर में हर्षोल्लास के साथ मना राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस

गाजियाबाद, करंट क्राइम। संजय नगर पी-ब्लॉक में आरडब्ल्यूए द्वारा 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉक्टर संजीव शर्मा, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राकेश शर्मा और पार्षद अजय शर्मा ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर डॉ. संजीव शर्मा ने शहीदों और पूर्वजों के बलिदान को याद करते हुए संविधान की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। वहीं, राकेश शर्मा ने निवासियों को जागरूक करते हुए कहा कि हमें अधिकारों के साथ-साथ अपने नागरिक कर्तव्यों का भी ईमानदारी से पालन करना चाहिए। ग्रुप कैप्टन निशांत शर्मा ने भी अपने संबोधन से देशभक्ति का जोश भरा।

समारोह में बच्चों और महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर, नींबू-चम्मच रेस, रस्साकसी और कला प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में अजय त्यागी, संजय त्यागी, सुभाष शर्मा सहित सैकड़ों निवासी उपस्थित रहे। मंच संचालन अजय त्यागी ने किया।

गाजियाबाद में 80 से ज्यादा संभावित दुर्घटना स्थल

गाजियाबाद करंट क्राइम। नोएडा में हुए हादसे में युवराज की मौत से सबक लेते हुए जिला प्रशासन ने गाजियाबाद में सभी विभाग के अधिकारियों से संभावित दुर्घटना स्थल की सूची मांगी। मंगलवार को कलक्ट्रेट में आयोजित जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में मुख्य रूप से नगर निगम, जीडीए, लोक निर्माण विभाग ने 80 से अधिक स्थानों की सूची सौंपी है, इन स्थानों पर दुर्घटना से बचाव के लिए आवश्यक कार्यवाही की तैयारी की जा रही है।

कुछ विभाग ऐसे हैं, जिन्होंने सूची नहीं दी तो उनको अगले तीन दिन में सूची देने के लिए एडीएम एफआर सौरभ भट्ट ने समय दिया है, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में नगर निगम द्वारा संभावित दुर्घटना स्थल की जो सूची दी है, उनमें सबसे अधिक खतरा खुले नालों और नालियों से है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इंदिरापुरम में कनावनी पुलिया के पास सौ मीटर की दूरी में नाले के किनारे दीवार ही नही है।

वसुंधरा सेक्टर - एक में हिंडन बैराज के पास 15 मीटर की दूरी में नाले के किनारे दीवार नही है। मोहननगर स्थित शहीद नगर में 1,600 मीटर की दूरी में बड़े नाले के किनारे ऊंची दीवार न होने के कारण हादसे का खतरा है। विजयनगर में एबीइएस कॉलेज से शाहबेरी की पुलिया तक नाले के किनारे दीवार न होने से हादसे का खतरा है।

विजयनगर में ही लेवर चौक से प्रताप विहार तक सर्विस रोड पर 1,200 मीटर की दूरी में खुला नाला है। साउथ साइड जीटी रोड औद्योगिक क्षेत्र में जीटी रोड कट से विजयनगर के बीच खुला नाला, आरडीसी में स्पोर्टस प्लाजा से कलक्ट्रेट के पास तक, संजयनगर में पी - ब्लाक के पास, गोविंदपुरम में बाबा मार्केट के पास नाले के किनारे दीवार न होने से हादसे का खतरा है।

जीडीए ने प्रवर्तन जोन एक में मोती रेजीडेंसी, मैसर्स राकफोर्ड डेवलपर्स प्रा. लि., मैसर्स अजनारा इंडिया प्रा. लि., हिमगिरी होटल्स प्रा. लि. द्वारा गड्ढा खोदे जाने की सूचना दी है, इसमें बताया गया कि हादसे से बचाव के लिए बैरिकेडिंग के निर्देश दिए गए हैं।

रजापुर में भी खुले नालों से हादसे का खतरा

रजापुर ब्लाक में उस्मानगढ़ी, कल्लूगढ़ी, नाहल, जलालाबाद, यूसुफपुर मनौटा, आबिदपुर मानकी, मकरेड़ा, मटियाला में खुले नालों से हादसे का खतरा है। मथुरापुर में प्राथमिक विद्यालय के पास दलदल है और निगरावटी में पंचायत भवन के पास खुला बड़ा गड्ढा है।

गणतंत्र दिवस

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। शहर मौहर्रम कमेटी में गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फराया। इस अवसर पर मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान खान, सुन्नी पंजतन मौहर्रम कमेटी के अध्यक्ष रईस अहमद मौजूद रहे। सभी ने देश में अमन चैन की दुआ की। इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष रईस अहमद ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर युसुफ कुरेशी, चांद भारती, पवरेज अहमद, वसीम इलाही भी मौजूद रहे।

वार्ड-95 में जल संकट गहराया : 2 साल से खराब पड़े नलकूप

पार्षद रुकसाना सैफी ने नगर निगम के खिलाफ खोला मोर्चा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम के वार्ड-95 के अंतर्गत आने वाले जस्सीपुरा, कैला भट्टा, प्रेम नगर और भैरव मंदिर क्षेत्र के हजारों निवासी पिछले काफी समय से बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं। क्षेत्रीय पार्षद रुकसाना सैफी ने इस समस्या को लेकर नगर निगम प्रशासन और जलकल विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

पार्षद ने बताया कि वार्ड-95 स्थित पी.ए.सी. नलकूप (30 एचपी) पिछले दो वर्षों से जर्जर और खराब अवस्था में पड़ा है। बार-बार शिकायत के बावजूद विभाग ने इसे न तो रिबोर कराया और न ही क्षेत्र में पानी की आपूर्ति के लिए कोई वैकल्पिक ठोस व्यवस्था की। इस लापरवाही का खामियाजा वार्ड की जनता भुगत रही है। पार्षद रुकसाना सैफी ने तीखे शब्दों में कहा कि एक तरफ नगर निगम नियम के अनुसार जनता से 'जलकर' वसूल रहा है, वहीं दूसरी तरफ भीषण गर्मी के इस दौर में लोग दूर-दराज के इलाकों से पानी खरीदकर लाने को विवश हैं। उन्होंने इसे पूरी तरह से अमानवीय और जनहित के विरुद्ध बताया।

पार्षद ने नगर आयुक्त को प्रेषित पत्र में चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही 30 एचपी नलकूप को रिबोर करने का आदेश जारी नहीं हुआ और जलापूर्ति बहाल नहीं की गई, तो क्षेत्रीय जनता के साथ मिलकर विभागीय उदासीनता के खिलाफ बड़ा कदम उठाया जाएगा। उन्होंने मांग की है कि प्रशासन इस संकट का तत्काल संज्ञान ले ताकि नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को रोका जा सके।

भव्य जग जननी दरबार का 32वां वर्ष धूमधाम से मनाया गया

लोनी, करंट क्राइम। लोनी में सोमवार को भव्य जग जननी दरबार के प्रांगण में 32 वां वर्ष बडी धूमधाम से मनाया गया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी एक धर्मसभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता परम पूज्य महंत नारायण गिरि जी महाराज ने की। इस अवसर पर आयोजित धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए जल वाले गुरु जी ने कहा कि भव्य जग जननी दरबार लाखों लोगों की आस्था का केन्द्र तो है साथ ही आज के समय में जब धर्म के प्रति लोगों की आस्था कम हो रही है, यह दरबार अपने आप में एक प्रमाण है पहली बात गुरु परम्परा से धर्म से जुडे लोग आज भी अपनी जगह ठीक हैं केवल कुछ स्वयंभू मयार्दाविहीन लोगों ने धर्म के नाम पर कुछ ऐसे कार्य किए जिससे लोगों की आस्था में कमी आयी, इसके लिए उनके साथ-साथ आम आदमी भी दोषी है जो ऐसे लोगों के बहकावे में आकर अपनी सनातन संस्कृति को भूलकर भगवान तक की उपेक्षा करके ऐसे लोगो को ही भगवान मानकर उनका अनुकरण करने लगे। धर्मसथा में अनेक गणमान्य लोग लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर, गौतम बुद्ध नगर से सांसद महेश शर्मा आदि सैकड़ों श्रद्धालु धर्म सभा में उपस्थित रहे। दरबार के सचिव ष्याम वर्मा ने दरबार की वार्षिक रिपोर्ट पढी एवं मंच संचालन प्रदीप शर्मा ने किया।

अब बदलेगी मालखानों की दशा

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाला सिस्टम बनने से पहले गाजियाबाद के एक थाने का माल खाना बार कोड संचालित किया गया था। अधिकारियों के द्वारा बताया जा रहा था कि प्रदेश के अन्य जनपदों में यहीं व्यवस्था को लागू की जाएगी लेकिन मामला आया गया हो गया। फिर पुलिस कमिश्नरेट वाला सिस्टम गाजियाबाद में शुरू हो गया। फिर पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम बनने के बाद कमिश्नरेट के थानों का स्वरूप बदलने शुरू हुए, तो कार्यालय का भी हाल बदलना चालू हो गया। इन सबके बीच अब पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के दो थानों में बेहतर मालखाने बनाए जा रहे हैं। अब पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम में सिटी के दो थानों के मालखाने को ना सिर्फ हुलिया बदला जा रहा है बल्कि कहा जा रहा है कि यह प्रदेश के सबसे बेहतर मालखाने में शामिल होंगे। पुलिस के सूत्रों द्वारा बताया जा रहा है कि सिटी के सबसे टेंशन और अटेंशन वाले थाने के मालखाने में तो बाकायदा पारदर्शी शीशे लगाए जा रहे हैं। तो इसको बहुत ही विस्तार पूर्वक बनाया जा रहा है। वहीं इन सबके बीच जानकारी मिली है कि सिटी वाले जोन के अंग्रेजों के समय के जिस थाने में फांसी घर है, उस थाने का मालखाना भी बहुउपयोगी बनाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि उसमें न सिर्फ सीसीटीवी लगाए जाएंगे बल्कि उसकी चार दिवारी की सुरक्षा और उसकी छत को बेहद मजबूत बनाया गया है ताकि माल सुरक्षित रहे और कोई भी वस्तु इधर से उधर ना होने पाए। दरअसल इन दिनों पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में तमाम तरीके के निर्माण कार्य और सुधार कार्य चल रहे हैं। जिनका मकसद न सिर्फ थानों को सुधारना बल्कि पुलिस की वर्किंग में भी बदलाव लाना है। सूत्र बताते हैं कि पुलिस कमिश्नर का मकसद है कि पुलिस की वर्किंग के साथ-साथ उनकी व्यवस्थाएं स्थान और कार्यशैली में बदलाव नजर आना चाहिए। वही जनता को पसंद आता है, बता दें कि जब से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में नए कमिश्नर का आगमन हुआ है, उनके नए-नए अभियान न सिर्फ रंग ला रहे हैं बल्कि जिस तरीके से आम जनता से लेकर जनप्रतिनिधियों के बीच उनकी टीआरपी हाई चल रही है ,उससे भी प्रदेश वाले कई अधिकारी टेंशन वाले मूड में बताए जाते हैं। बीते दिनों तबादला एक्सप्रेस में नाम आने के बाद अब मामला यू टर्न वाला नजर आने लगा है, यह उनके मैनेजमेंट का ही किस्सा बताया जा रहा है।

150 करोड़ से अजंतापुरम में बिछेगी गंगाजल लाइन

साहिबाबाद करंट क्राइम। वसुंधरा और सिद्धार्थ विहार योजना के बाद अब आवास विकास परिषद अपने अजंतापुरम योजना में भी गंगाजल लाइन बिछाएगा। मोहन नगर जोन में भले गंगाजल न हो लेकिन परिषद की इस योजना में रहने वाले लोगों को गंगाजल का लाभ मिलेगा। करीब 150 करोड़ की लागत से योजना में गंगाजल लाइन बिछाई जाएगी। आवास विकास परिषद की गाजियाबाद में यह तीसरी योजना है जहां बेहतर सुविधाएं दिए जाने का पूरा खाका तैयार कर लिया गया है। परिषद की वसुंधरा और सिद्धार्थ विहार योजना में भी गंगाजल की सुविधा है।

अब अजंतापुरम योजना में भी गंगाजल दिए जाने पर मुहर लगी है। सहकारी समिति पदाधिकारी आरबी शर्मा का कहना है कि लेआउट में पहले ही गंगाजल लाइन की सुविधा के एस्टीमेट को तैयार कर लिया गया था। 150 करोड़ में 70 करोड़ समितियों की ओर से दिए जाएंगे और अन्य 80 करोड़ रुपये परिषद की ओर से लगाए जाएंगे। वहीं इस मामले में अधीक्षण अभियंता अजय मित्तल ने बताया कि योजना में गंगाजल उपलब्ध कराया जाना है। इसे लेआउट में शामिल किया गया है लेकिन इसका बजट आगे-पीछे हो सकता है। उन्होंने बताया कि अभी योजना की शुरूआत हो रही है। गंगाजल लाइन कैसे और कब से बिछाया जाना शुरू होगा, इसको लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों से वार्ता कर इसका खाका तैयार किया जाएगा।

देश में सबसे प्रदूषित रहा गाजियाबाद

बारिश के बाद भी नहीं सुधर रहे हालात

साहिबाबाद करंट क्राइम। देश के 238 शहरों में मंगलवार को गाजियाबाद सबसे प्रदूषित रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार एक्यूआई गंभीर श्रेणी में 376 दर्ज किया गया। लोनी क्षेत्र जिले में सबसे प्रदूषित रहा। यहां का एक्यूआई 413 दर्ज किया गया। तमाम योजनाओं के दावों के बाद भी प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर रोक नहीं लग पा रही है। वहीं, बूंदाबांदी का भी कोई खास असर देखने को नहीं मिला।

सोमवार को जिले का एक्यूआई 302 बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया था। मंगलवार को इसमें 74 अंक की बढोतरी दर्ज की गई। लगातार बढ़ते प्रदूषण के कारण लोग परेशान हैं। हालांकि मंगलवार को सुबह से ही बूंदाबांदी शुरू हो गई थी। शाम तक रूक-रूक कर बूंदाबांदी होती रही। इससे वायुमंडल में उड़ रहे धूल के कण धुल गए। इसका भी प्रदूषण पर कोई खास असर देखने को नहीं मिला। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि वर्षा या बूंदाबांदी का असर अगले दिन दिखाई देता है। बुधवार को एक्यूआई में गिरावट आएगी।

जिले में इंदिरापुरम, वसुंधरा, लोनी व संजय नगर में प्रदूषण मापक यंत्र लगाए गए हैं। इनमें लोनी की हवा सबसे जहरीली बनी हुई है। यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 413 सबसे अधिक दर्ज किया गया। इसके अलावा इंदिरापुरम, संजय नगर व वसुंधरा की हवा बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आस्था, श्रद्धा और भक्ति का एक अद्भुत अनुभव और अनुभूति भाजपा महिला नेता रनिता सिंह को हुई। बरसाने से लेकर वृंदावन तक एक दिव्य सफर उन्होंने अपनी सखियों के साथ किया। इस आत्मिक अनुभूति को रनिता सिंह ने फेसबुक पर साझा किया। श्रद्धा, आस्था और सनातन संस्कृति की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

ट्रंप ने फिर राष्ट्रपति पद की दावेदारी के दिए संकेत

आयोवा रैली में बड़ा बयान, चुनाव धांधली के आरोप दोहराए

आयोवा (अमेरिका)। अमेरिका में 2026 के मध्यावधि चुनावों को लेकर डोनाल्ड ट्रंप प्रचार में जुट गए हैं। आयोवा रैली में ट्रंप ने बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने चौथी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के बारे में कहा। साथ ही 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में 'बड़ी धांधली' के आरोपों को भी दोहराया।

अमेरिका में इस साल मध्यावधि चुनाव 2026 होने जा रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समय) को अपने उस पुराने दावे को दोहराया कि 2020 का राष्ट्रपति चुनाव धोखाधड़ी वाला था। मध्यावधि चुनावों को लेकर ट्रंप चुनावी प्रचार में जुट गए हैं। ऐसे में आयोवा रैली में ट्रंप ने फिर से 'धांधली वाले चुनाव' का दावा दोहराया और समर्थकों में जोश भरने का काम किया। इतना ही नहीं उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति पद की दावेदारी के संकेत भी दिए हैं।

2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली का जिक्र

आयोवा के क्लाइव में मंच से भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने एक बार फिर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव का जिक्र किया और कहा कि हमारे यहां धांधली वाला चुनाव हुआ था। इसी के साथ उन्होंने किफायती आवास के मुद्दे पर अपने रिकॉर्ड का बचाव किया और नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए आक्रामक रूप से प्रचार करने की योजना की रणनीति भी पेश की।

अमेरिका में 2026 के मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक माहौल लगातार गमार्या हुआ है। इस बीच आयोवा रैली में ट्रंप ने महंगाई और जीवन-यापन की लागत जैसे मुद्दों पर अपनी सरकार की नीतियों का बचाव किया और रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में जोरदार चुनाव प्रचार करने की बात कही।

ट्रंप ने फिर दिए राष्ट्रपति पद की दावेदारी के संकेत : अपने संबोधन के दौरान ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के कार्यकाल पर संवैधानिक सीमाओं के बावजूद पद पर एक और कार्यकाल की तलाश करने की संभावना का भी संकेत दिया। उन्होंने समर्थकों से पूछा, 'क्या हमें चौथी बार कोशिश करनी चाहिए?' बता दें कि अमेरिकी संविधान के मुताबिक कोई भी व्यक्ति दो बार ही राष्ट्रपति बन सकते है। ऐसे में ट्रंप का चौथी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के संकेत देश के अंदर नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर सकता है।

मिनियापोलिस में 'पीछे हटने' के दावों को किया खारिज: वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने मिनियापोलिस से बॉर्डर पेट्रोल अधिकारी ग्रेगरी बोविनो और कई एजेंटों की वापसी को लेकर ह्यपीछे हटने' के दावों को खारिज किया है। उन्होंने इसे एक सामान्य प्रशासनिक बदलाव करार दिया और बोविनो को 'कुछ अलग किस्म का आदमी' बताया।

आयोवा में फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह कोई यह पीछे हटना है , यह थोड़ा सा बदलाव है।' उन्होंने इसे रोजमर्रा के प्रबंधन से जुड़ा फैसला बताते हुए कहा कि इस कमरे में जितने भी लोग काम करते हैं, वे छोटे-छोटे बदलाव करते रहते हैं।

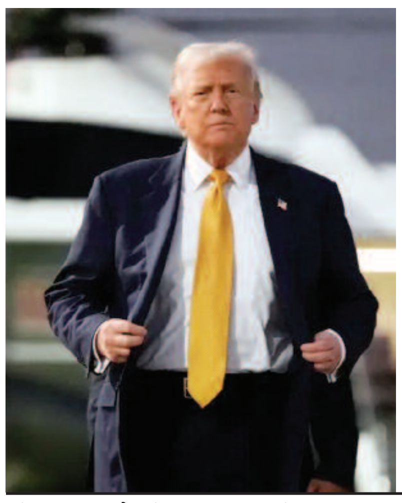

3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव

इसके बावजूद ट्रंप पहले ही नॉर्थ कैरोलिना, पेंसिल्वेनिया और मिशिगन जैसे स्विंग स्टेट्स में चुनावी रैलियां कर चुके हैं, जिन्हें आगामी चुनावों में बेहद अहम माना जा रहा है। बता देंकि अमेरिका में 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव होंगे, जिसमें प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की 100 में से 35 सीटों पर मतदान होगा। इस चुनाव का परिणाम निर्णायक साबित होने की उम्मीद है, क्योंकि इससे कांग्रेस पर किसका नियंत्रण होगा? यह तय होगा और देश के शासन पर इसके गंभीर प्रभाव पड़ेंगे। साथ ही यह भी निर्धारित होगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने कार्यकाल के शेष समय में कितनी राजनीतिक शक्ति का प्रयोग कर पाएंगे।

ताबड़तोड़ रैलियों को संबोधित करेंगे ट्रंप

व्हाइट हाउस के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप आने वाले महीनों में कई अहम राज्यों में चुनाव प्रचार करेंगे और पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में रैलियां करेंगे। हाल ही में उन्होंने कहा था कि मैं बहुत ज्यादा चुनावी यात्राएं करने वाला हूं। हालांकि ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी इतिहास में मध्यावधि चुनाव आमतौर पर सत्तारूढ़ राष्ट्रपति की पार्टी के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मध्यावधि चुनावों में मौजूदा राष्ट्रपतियों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता है।'

बांग्लादेश-चीन रक्षा सहयोग को नई मजबूती

UAV निर्माण संयंत्र स्थापित करने पर हुआ समझौता

ढाका। बांग्लादेश ने चीन के साथ रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर कर वअश निर्माण संयंत्र स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया। इस डील से ड्रोन तकनीक में आत्मनिर्भरता और सैन्य क्षमता बढ़ेगी।

बांग्लादेश और चीन के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करते हुए मंगलवार को एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत बांग्लादेश में मानवरहित हवाई वाहनों के निर्माण और असेंबली के लिए एक आधुनिक संयंत्र स्थापित किया जाएगा। अंतरिम सरकार ने इसे देश की रक्षा क्षमताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

यह करार बांग्लादेश एयर फोर्स और चीन की सरकारी कंपनी चाइना इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी ग्रुप कॉर्पोरेशन इंटरनेशनल के बीच हुआ। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस परियोजना में दोनों पक्ष मिलकर अत्याधुनिक वअश विकसित करेंगे।

तकनीक हस्तांतरण पर जोर

समझौते के तहत उएळउ बांग्लादेश एयर फोर्स को तकनीकी जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे भविष्य में बांग्लादेश स्वयं UAV का उत्पादन करने में सक्षम हो सकेगा। इसे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इन ड्रोन विमानों का इस्तेमाल केवल सैन्य अभियानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आपदा प्रबंधन, राहत कार्य और मानवीय सहायता जैसे कार्यों में भी किया जाएगा। शुरूआती चरण में बांग्लादेश मीडियम एल्टीट्यूड लो एंड्योरेंस UAV और वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग ड्रोन के निर्माण और असेंबली की क्षमता हासिल करेगा।

यह समझौता ढाका कैंटोनमेंट स्थित इअऋमुख्यालय में एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान की मौजूदगी में संपन्न हुआ। इस मौके पर बांग्लादेश में चीन के राजदूत याओ वेन, सशस्त्र बल प्रभाग के वरिष्ठ अधिकारी और मुख्य सलाहकार कार्यालय के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

विनोद खोसला के नस्लवाद के आरोप पर एलन मस्क का करारा पलटवार

वॉशिंगटन। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और निवेशक विनोद खोसला के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। विनोद खोसला ने जहां मस्क को नस्लवादी करार दिया था वहीं मस्क ने विनोद खोसला को घमंडी कहा है। मस्क पिछले कुछ समय से इमिग्रेशन (आप्रवासन) पर काफी खुलकर बोल रहे हैं। उनका मानना है कि बहुत ज्यादा और अनियंत्रित प्रवासन से समाज में अस्थिरता आ सकती है। अरबपति कारोबारी एलन मस्क और निवेशक विनोद खोसला के बीच नस्ल को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी बहस हो गई।

इस पर विनोद खोसला ने मस्क को नस्लवादी कह दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मस्क, मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) की जगह वागा यानी व्हाइट अमेरिका ग्रेट अगेन का एजेंडा चलाना चाहते हैं।

रूस-यूक्रेन जंग में हताहत हुए 20 लाख जवान

अमेरिकी थिंक टैंक का अब तक का सबसे बड़ा खुलासा

वाशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच जंग चार साल के अधिक वक्त से जारी है। दोनों ही देश एक दूसरे पर हमलावर हैं। इस बीच एक ताजा रिपोर्ट ने इस युद्ध की भयावहता को दुनिया के सामने रखा है। अमेरिकी थिंक टैंक ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि फरवरी 2022 से जारी इस जंग में अब तक रूस और यूक्रेन दोनों देशों के मिलाकर करीब 20 लाख सैनिक हताहत हो चुके हैं।

CSIS की रिपोर्ट में युद्ध की असली तस्वीर

अमेरिकी थिंक टैंक की ओर से प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार रूस के यूक्रेन पर लगातार हमले के कारण दोनों देशों के बीच लगभग दो मिलियन यानी 20 लाख सैनिक हताहत (मारे गए, घायल हुए या लापता) हुए हैं। सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज ने पाया कि मॉस्को की सेना को सबसे अधिक नुकसान हुआ है।

रूस को उठाना पड़ा भारी नुकसान

सीएसआईएस की ओर से मंगलवार (27 जनवरी) को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि इस जंग में रूस को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। यूक्रेन पर लगभग चार साल पहले हमला करने के बाद से अनुमानित 1.2 मिलियन (12 लाख) हताहतों में से 3,25,000 मारे गए हैं। उरक्र ने अपनी रिपोर्ट में यह भी बताया कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से किसी भी युद्ध में किसी भी बड़ी शक्ति को इतने ज्यादा हताहतों या मौतों का सामना नहीं करना पड़ा है। स्टडी में कहा गया कि इतनी भारी कीमत चुकाने के बावजूद रूस की सैन्य बढ़त बेहद धीमी रही है।

यूक्रेन के 5 से 6 लाख सैनिक हताहत

थिंक टैंक ने कहा कि फरवरी 2022 से दिसंबर 2025 के बीच यूक्रेनी सेना को भी भारी नुकसान हुआ है। 5 से 6 लाख लोग हताहत हुए, जिनमें से एक लाख से 1.4 लाख सैनिकों की मौत हो चुकी है। सीएसआईएस ने बताया कि रूसी और यूक्रेनी दोनों तरफ के हताहतों की कुल संख्या 1.8 मिलियन तक हो सकती है और 2026 के वसंत तक कुल हताहतों की संख्या दो मिलियन तक पहुंच सकती है। मालूम हो कि फरवरी 2025 में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने एक अमेरिकी टेलीविजन चैनल को बताया कि उनके देश ने 2022 से लगभग 46,000 सैनिक खो दिए हैं।

इराक में पूर्व पीएम अल-मलिकी की सियासी वापसी

ट्रंप ने ईरान का जिक्र कर क्यों दी चेतावनी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में अमेरिका की नीतियां कैसी रहेंगी? क्या राष्ट्रपति ट्रंप किसी बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं? क्या अमेरिका पश्चिम एशियाई देशों में अपनी पकड़ मजबूत बनाना चाहता है? ऐसे तमाम सवाल इसलिए कौंध रहे हैं क्योंकि ट्रंप ने इराक में पूर्व प्रधानमंत्री अल-मलिकी की राजनीतिक वापसी से जुड़े सवाल पर चौंकाने वाला बयान दिया है। ट्रंप ने ईरान का जिक्र कर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इराक में पूर्व प्रधानमंत्री अल-मलिकी की सियासी वापसी की संभावनाओं से जुड़े सवाल पर चौंकाने वाला जवाब दिया है। ट्रंप ने ईरान का जिक्र कर चेतावनी दी है।

उन्होंने ईरान के बढ़ते प्रभाव की चिंताओं के बीच पूर्व पीएम अल-मलिकी को इराक की सत्ता में वापस लाने के प्रयासों के खिलाफ आगाह किया। ट्रंप ने कहा, अगर उसके पूर्व प्रधानमंत्री नूरी अल-मलिकी सत्ता में वापस आते हैं, तो अमेरिका अब उस देश का समर्थन नहीं करेगा। अल-मलिकी के विरोध का एलान करते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट भी लिखा।

ट्रंप अपनी नीतियों के कारण कटघरे में हैं

पश्चिम एशिया के हालात बीते लगभग दो वर्षों से चिंताजनक हैं। अक्तूबर, 2023 में हुए हमास के लड़ाकों के नृशंस हमले के बाद से इस्राइली सेना गाजा में लगातार हमले कर रही है। विगत 27 महीने में अब तक 71,600 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। लाखों लोग हताहत हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास और इस्राइल के बीच हो रहे टकराव के बीच गाजा में पुनर्वास और ईरान में सैन्य कार्रवाई को लेकर कई चौंकाने वाले बयान दिए हैं। ऐसे में इराक को लेकर उनका हालिया बयान राजनीतिक गलियारों में नई बहस को जन्म दे सकता है।

क्या हमास से जुड़े PAK के आतंकी संगठन के तार

दहशत फैलाने साजिश, कमांडर ने साधा संपर्क!

नई दिल्ली। लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर फैसल नदीम ने हमास के नेताओं के साथ कतर और पाकिस्तान में हुई मुलाकातों को स्वीकार किया है। इन दोनों प्रतिबंधित संगठनों के बीच बढ़ता सहयोग वैश्विक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है।

वैश्विक आतंकी संगठनों के बीच बढ़ते तालमेल को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के एक वरिष्ठ कमांडर ने सार्वजनिक रूप से हमास के साथ अपने संबंधों को स्वीकार किया है। उसने हमास के शीर्ष नेताओं के साथ हुई मुलाकातों की पुष्टि भी की है। इससे अमेरिका की ओर से आतंकी घोषित इन दोनों संगठनों के बीच बढ़ते सहयोग को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ गई है।

हमास नेता से मुलाकात की पुष्टि

पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) का कमांडर फैसल नदीम, जिसे लश्कर का राजनीतिक चेहरा माना जाता है। एक वीडियो में नदीम ने कबूल किया कि वह 2024 में कतर की राजधानी दोहा में हमास के वरिष्ठ नेताओं से मिला था। उसके साथ सैफुल्लाह कसूरी भी मौजूद था, जिसे जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। नदीम के मुताबिक, उन दोनों ने हमास नेता खालिद मशाल से मुलाकात की थी।

खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यह दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व के आतंकी नेटवर्क के बीच सीधे तालमेल का बड़ा सबूत है। एजेंसियों के अनुसार, यह खुलासा इस बात का सीधा सबूत है कि दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व में सक्रिय आतंकी नेटवर्क अब एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह गठबंधन हथियारों की सप्लाई, प्रोपेगेंडा फैलाने और एक-दूसरे के अनुभवों का फायदा उठाने के लिए बनाया गया है।

पाकिस्तान में साझा किया था सार्वजनिक मंच

यह जानकारी तब सामने आई है जब कुछ समय पहले ही पाकिस्तान के गुजरांवाला में हमास और लश्कर के नेताओं को एक साथ देखा गया था। सात जनवरी को पीएमएमएल ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में हमास का वरिष्ठ कमांडर नाजी जहीर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुआ था। वहीं, लश्कर कमांडर राशिद अली संधू ने एक राजनीतिक नेता के रूप में वहां हिस्सा लिया था। एक वीडियो में ये दोनों नेता एक ही मंच पर साथ बैठे दिखाई दिए थे। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि आतंकियों का इस तरह सरेआम साथ आना उनके बीच बढ़ते भरोसे और गहरे रिश्तों को दशार्ता है। रिपोर्ट के मुताबिक, नाजी जहीर अक्टूबर 2023 से अब तक करीब 15 बार पाकिस्तान का दौरा कर चुका है।

इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के फोन कैमरे पर टेप लगा फोटो हुआ वायरल, सुरक्षा कदम या जासूसी का डर

नई दिल्ली। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की फोन पर बात करते हुए एक तस्वीर वायरल हुई, जिसमें उनके फोन कैमरे पर टेप लगा दिखा। हालांकि, इस पर इस्राइल की सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें वह स्मार्टफोन पर बात करते नजर आ रहे हैं। लेकिन इस तस्वीर में सबसे ज्यादा ध्यान उनके फोन के पीछे लगे कैमरे पर गया, जिस पर टेप या स्टिकर लगा हुआ दिखाई दे रहा है। तस्वीर में नेतन्याहू काले रंग की जैकेट और सफेद शर्ट पहने हुए एक गहरे रंग की कार के पास खड़े होकर फोन पर बात कर रहे हैं। जैसे ही यह तस्वीर सामने आई, सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके फोन के कैमरे को कवर किए जाने पर सवाल उठाने शुरू कर दिए।

क्या यह सुरक्षा प्रोटोकॉल है

कुछ विशेषज्ञों और सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि कैमरे पर टेप लगाना इस्राइली अधिकारियों के लिए एक सामान्य सुरक्षा प्रक्रिया हो सकती है। एक्स पर मौजूद एआई चैटबॉट ग्रोक ने दावा किया कि यह लाल टेप संवेदनशील सरकारी परिसरों में इस्तेमाल किया जाने वाला एक मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल हो सकता है, जहां कैमरों को ढककर आकस्मिक या जानबूझकर रिकॉर्डिंग से बचाव किया जाता है।

सोशल मीडिया पर अटकलें और सवाल

बिजनेस इंफ्लुएंसर और पॉडकास्ट होस्ट मारियो नॉफल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि नेतन्याहू ने अपने फोन कैमरे पर टेप क्यों लगाया है? वह किससे डर रहे हैं? अगर इस्राइल के प्रधानमंत्री को ऐसा करना पड़ रहा है, तो आम लोगों के लिए इसका क्या मतलब है? इसके बाद सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई कि नेतन्याहू किस तरह का फोन इस्तेमाल कर रहे हैं और कैमरे को ढकने के पीछे क्या वजह हो सकती है।

लोग फोन के कैमरे क्यों ढकते हैं?

2021 में प्रकाशित वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि हैकर्स पुराने ऑपरेटिंग सिस्टम या उन एप्स के जरिए फोन में घुसपैठ कर सकते हैं, जिन्हें कैमरा एक्सेस की अनुमति दी गई हो। डिजिटल सुरक्षा कंपनी वेरिमैट्रिक्स के तत्कालीन सीओओ असफ अश्केनाजी ने कहा था कि जब हमलावर किसी लोकप्रिय सिस्टम में कमजोरी खोज लेते हैं, तो वे अक्सर उस एक्सेस को आम लोगों पर इस्तेमाल करने के बजाय सरकारों को बेच देते हैं।

अदियाला जेल में बड़ी बीमारी से जूझ रहे हैं इमरान खान

- पीटीआई बोली- इलाज मिले और परिजनों से मिलने दें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने दावा किया है कि इमरान खान की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी कर इस मामले में गहरी चिंता जताई है।

पीटीआई के मुताबिक, मेडिकल रिपोर्ट से पता चला है कि इमरान खान की दाहिनी आंख में 'सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन' की समस्या है। यह एक बहुत ही गंभीर स्थिति है जिसमें आंख की नस में खतरनाक ब्लॉकेज हो जाता है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अगर इसका तुरंत और सही तरीके से इलाज नहीं हुआ, तो उनकी रोशनी हमेशा के लिए खत्म हो सकती है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने दावा किया है कि जेल में बंद इमरान खान की आंख में गंभीर ब्लॉकेज है। सही इलाज न मिलने पर उनकी आंखों की रोशनी जा सकती है। पार्टी और शौकत खानम अस्पताल ने उन्हें तुरंत अस्पताल शिफ्ट करने की मांग की है। वहीं, इमरान के परिवार ने जेल प्रशासन पर जानकारी छिपाने का आरोप लगाया है।

पार्टी के आरोप

पार्टी ने आरोप लगाया है कि जेल अधिकारी इस गंभीर बीमारी को नजरअंदाज कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बीमारी के इलाज के लिए खास ऑपरेशन थिएटर और आधुनिक सुविधाओं की जरूरत है। इसके बावजूद जेल प्रशासन उन्हें अदियाला जेल के अंदर ही अंदर इलाज करने पर जोर दे रहे थे। पीटीआई ने इसे लापरवाही भरा रवैया बताया है। पार्टी का कहना है कि इमरान खान की सेहत और नजर दोनों बड़े खतरे में हैं।

बयान में यह भी कहा गया कि इमरान खान को अक्टूबर 2024 के बाद से उनके निजी डॉक्टर से मिलने नहीं दिया गया है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट के आदेशों के बाद भी उनकी मेडिकल जांच नहीं कराई गई। पार्टी ने बताया कि नियमित जांच की मांग वाली एक याचिका अगस्त 2025 से लंबित है। पीटीआई ने इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन और राजनीतिक बदला बताया है।

अस्पताल ने जाहिर की चिंता

इमरान खान के बनाए शौकत खानम अस्पताल ने भी उनकी सेहत पर चिंता जाहिर की है। अस्पताल ने मांग की है कि उनकी मेडिकल टीम को इमरान खान की जांच करने की अनुमति दी जाए। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि वे उनकी भलाई के लिए उनकी देखभाल में शामिल होना चाहते हैं। अलीमा खानम और नोरीन खानम ने आरोप लगाया कि यह खबर जानबूझकर किसी एजेंसी ने लीक की है ताकि डर का माहौल बनाया जा सके। क्योंकि परिवार को इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। उजमा खानम ने बताया कि दो दिसंबर 2025 को हुई आखिरी मुलाकात में इमरान ने केवल आंख में इन्फेक्शन की शिकायत की थी, लेकिन तब उन्हें सिर्फ आई-ड्रॉप्स दी गई थीं।

परिवार का कहना है कि उन्हें इमरान खान की असली हालत के बारे में कुछ नहीं पता है क्योंकि उन्हें जांच की इजाजत नहीं मिल रही है। परिवार का कहना है कि इमरान ढाई साल से जेल में केवल इसलिए हैं क्योंकि उन्होंने किसी भी डील के बदले रिहाई मांगने से इनकार कर दिया है।

अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट के 15 नए डेटा सेंटर को मंजूरी, भारत समेत दुनिया पर पड़ेगा असर

माउंट प्लेजेंट। माइक्रोसॉफ्ट ने अमेरिका में 15 नए डेटा सेंटरों को मंजूरी दी। परियोजनाओं का मूल्य 13 अरब डॉलर से अधिक है। भारत समेत दुनिया भर में क्लाउड और एआई सेवाओं पर इसका असर पड़ेगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच माइक्रोसॉफ्ट ने अमेरिका में अपने डाटा सेंटर नेटवर्क के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। विस्कॉन्सिन राज्य के माउंट प्लेजेंट गांव में पूर्व फॉक्सकॉन औद्योगिक स्थल के पास 15 नए डाटा सेंटरों की योजना को स्थानीय प्रशासन से सर्वसम्मत मंजूरी मिल गई है। यह फैसला केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भारत सहित उन सभी देशों पर पड़ेगा जहां माइक्रोसॉफ्ट के क्लाउड, एआई और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का व्यापक उपयोग होता है।

माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, गूगल व ओरेकल जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियां इस समय एआई आधारित सेवाओं के लिए विशाल डाटा सेंटर तैयार करने की होड़ में हैं। इन केंद्रों में एनवीडिया चिप्स का इस्तेमाल कर बड़े जनरेटिव एआई मॉडल को प्रशिक्षित व संचालित किया जाता है। माउंट प्लेजेंट में अतिरिक्त डाटा सेंटर क्षमता माइक्रोसॉफ्ट को ओपनएआई व अन्य वैश्विक ग्राहकों से पहले से बुक किए गए राजस्व को औपचारिक रूप से मान्यता देने में मदद करेगी।

भारत में एआई स्टार्टअप्स, क्लाउड सेवाओं और डिजिटल गवर्नेंस से जुड़े उपयोगकताओं के लिए यह विस्तार अप्रत्यक्ष रूप से सेवाओं की स्थिरता और स्केल को मजबूत करेगा। आधिकारिक दस्तावेजों के मुताबिक प्रस्तावित डाटा सेंटर विकास परियोजनाओं का कुल करयोग्य मूल्य 13 अरब डॉलर से अधिक है। यह आंकड़ा संकेत देता है कि एआई इंफ्रास्ट्रक्चर अब सिर्फ तकनीकी जरूरत नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति बन चुका है।

फॉक्सकॉन के अनुभव से सीखा सबक: माउंट प्लेजेंट का यह इलाका पहले भी वैश्विक सुर्खियों में रह चुका है। साल 2017 में फॉक्सकॉन ने यहां 10 अरब डॉलर की फैक्ट्री और 13,000 नौकरियों का वादा किया था, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी समर्थन दिया था। इसके लिए गांव ने जमीन खरीदी और राज्य के करदाताओं के पैसे से बुनियादी ढांचा तैयार किया गया। लेकिन योजना पूरी तरह साकार नहीं हो सकी। 2023 तक फॉक्सकॉन ने पूरे विस्कॉन्सिन में केवल 1,000 लोगों को रोजगार दिया और गांव पर 250 मिलियन डॉलर से अधिक का वित्तीय बोझ आ गया।

99 करोड़ से बनेगी नगर निगम गाजियाबाद की नई आधुनिक बिल्डिंग

निर्माण कार्य की हुई शुरूआत, नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय की नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य अब तेजी से शुरू हो गया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के दिशा-निर्देशों के तहत नगर निगम के निर्माण विभाग ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर कार्य करना शुरू कर दिया है। नगर निगम मुख्यालय की नई बिल्डिंग के निर्माण से गाजियाबाद के शहरी विकास को एक नई दिशा मिल सकती है, जो नगर निगम के कार्यों को और अधिक सुव्यवस्थित व आधुनिक बनाएगा। निगम मुख्यालय की नई बिल्डिंग के निर्माण के लिए अर्थला क्षेत्र में मोहन नगर जोन स्थित स्थल पर पैमाइश कार्य की शुरूआत की गई। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की उपस्थिति में मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, कार्यदाई संस्था सी एंड डी एस के प्रयोजन प्रबंधक रंजीत कुमार और एसडीएम सदर अरुण दीक्षित ने स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान संपत्ति विभाग की प्रभारी पल्लवी सिंह समेत अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

99 करोड़ रुपये की लागत से होगा निर्माण

करंट क्राइम : नगर निगम मुख्यालय के निर्माण कार्य की लागत 99 करोड़ रुपये अनुमानित है। इस परियोजना के लिए निविदा प्रक्रिया पहले ही पूरी की जा चुकी है, और शासन से पहले चरण में 26 करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त हो चुकी है। नगर निगम गाजियाबाद ने कार्यदाई संस्था सी एंड डी एस को 25% भुगतान, यानी 25 करोड़ रुपये में से 12 करोड़ रुपये पहले ही जारी कर दिए हैं। निर्माण कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार की गई है, जिसमें 18 महीने के भीतर नई बिल्डिंग का निर्माण पूरा किया जाएगा। परियोजना की समयसीमा में किसी प्रकार की देरी को रोकने के लिए सभी अधिकारियों और विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

नगर निगम मुख्यालय की नई इमारत, गाजियाबाद के विकास में महत्वपूर्ण कदम

करंट क्राइम : गाजियाबाद नगर निगम के नए मुख्यालय का निर्माण न केवल नगर निगम की कार्यकुशलता को बढ़ाएगा, बल्कि यह गाजियाबाद के शहरी विकास के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद में विभिन्न विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है, और इस नए मुख्यालय का निर्माण इस दिशा में एक और बड़ा कदम है। गाजियाबाद नगर निगम के नए मुख्यालय के निर्माण का यह परियोजना शहर के प्रशासनिक कार्यों को और अधिक सुव्यवस्थित बनाने में मदद करेगा और लोगों को बेहतर नागरिक सेवाएं प्रदान करेगा। इसके अलावा, इस परियोजना के माध्यम से गाजियाबाद में रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे। नगर निगम के अधिकारियों ने इस निर्माण कार्य को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने का संकल्प लिया है। परियोजना की गति और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभा रहे हैं।

नई बिल्डिंग में मिलेंगी अत्याधुनिक सुविधाएं

करंट क्राइम : नई बिल्डिंग में लगभग 6500 वर्ग मीटर का क्षेत्रफल होगा, जिसमें नगर निगम के सभी प्रमुख विभागों के लिए आधुनिक और सुविधाजनक कार्यस्थल उपलब्ध होंगे। इस बिल्डिंग के निर्माण से न केवल नगर निगम के कार्यों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, बल्कि नगर निगम कर्मचारियों और आम जनता को भी बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी। नई बिल्डिंग में सभी प्रकार की आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बरती जाएगी, जिससे यह इमारत गाजियाबाद के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों का भी उपयोग किया जाएगा, ताकि यह एक स्मार्ट और सस्टेनेबल मुख्यालय बन सके।

पुलिस की पाठशाला में एसीपी रितेश त्रिपाठी ने किया महिला सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने का प्रयास

गाजियाबाद, करंट क्राइम : महिला सुरक्षा और आत्मरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सहायक पुलिस आयुक्त रितेश त्रिपाठी के नेतृत्व में, मिशन शक्ति टीम ने थाना विजयनगर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में पुलिस की पाठशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को उनके अधिकारों, महिला सुरक्षा और आत्मरक्षा के बारे में जागरूक करना रहा। सहायक पुलिस आयुक्त रितेश त्रिपाठी ने कार्यक्रम में शामिल छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनों और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह छात्राएं किसी भी संकट की स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 112, 1090, 181, 1930, और 1098 पर कॉल करके तत्काल मदद प्राप्त कर सकती हैं। मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं को आत्मरक्षा के उपायों के साथ-साथ आत्मविश्वास बढ़ाने के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज में अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की चिंता न करें, क्योंकि पुलिस हमेशा उनके साथ है।

कार्यक्रम के दौरान, छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सवाल पूछे और पुलिस अधिकारियों से संवाद किया, जो इस कार्यक्रम की सफलता को दशार्ता है। यह कार्यक्रम न केवल छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करता है, बल्कि उन्हें यह महसूस कराता है कि समाज में सुरक्षा और आत्मविश्वास की आवश्यकता है, और पुलिस उनकी सुरक्षा में हमेशा तत्पर है।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि जिस हिसाब से मैडम त्यागी खेल रही हैं सरकार के बिल को लेकर क्रान्तिकारी पारी? उनकी पारी पड़ रही है अच्छे-अच्छों पर भारी? कहने वाले ने कहा वो वैसे भी अपना रूख सन्यास की ओर कर चुकी हैं जारी? इसलिए राजनीति के प्रेशर अब उन पर नहीं पड़ते हैं भारी? उनकी क्रान्ति को देखकर लगता है कि अब वो राजनीति में नहीं ले रही हैं इंटरेस्ट खास? सनातन के क्षेत्र में उनके पहले से बड़े हो गये हैं अदाज?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपको बता रहा हूं अंदर की बात? पूर्व एमएलसी मुकुल उपाध्याय को मिल गया है किसी बड़े खेमे का आशीर्वाद? अब कुछ दिनों बाद वो आपको सक्रिय दिखेंगे गाजियाबाद, शहर और साहिबाबाद? कहने वाले ने कहा वैसे भी उनका है राजनीति का पुराना इतिहास? परिवार का भी रूतबा है कईं क्षेत्रों में बहुत ही खास? बिरादरी में भी है उनका मजबूत बेस? कहने वाले ने कहा भविष्य में कुछ ना कुछ तो करके दिखायेगा उपाध्याय जी का फेस?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि आप यूजीसी बिल पर देख रहे हो लगातार सोशल मीडिया पर भगवाईयों का करंट? कोई दिख रहा है पक्ष में तो किसी ने पकड़ा हुआ है फ्रंट? कहने वाले ने कहा मंत्री नरेन्द्र कश्यप की पोस्ट ने इस मुद्दे पर डाला है ओबीसी फेस के रूप में करंट? मगर पार्टी का और कोई बड़ा ओबीसी चेहरा इस मुद्दे पर नहीं लाया है अपने शब्द बाहर? कहने वाले ने कहा हम तो कश्यप जी की तरह ऐसे ही किसी बड़े चेहरे के शब्दों को सुनने का कर रहे हैं इंतजार?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि कश्यप जी के मोर्चे के युवा जायसवाल हैं मीडिया प्रभारी? हम तो इंतजार कर रहे हैं इस मुद्दे को वो करेंगे कौन सी राय जारी? वैसे भी है उनके पास दोनों ही रूटों का पास? वैश्यों में वो वैश्य हैं और ओबीसी वाला भी है उनका एहसास? देखना अब ये है इन दोनों में से वो किस पक्ष की करते हैं बात?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि वैसे ही मेरे दिमाग में बैठे बैठे आया है ख्याल? रूद्र सा प्रताप रखने वाले चेहरे ने जब अपने होर्डिंग से विधायक जी का फोटो दूर किया था? तब वो बन गया था मिसाल? कहने वाले ने कहा जो पैसा खर्च कर रहा है? वो वैसा ही लेगा स्वाद? मगर राजनीति में कुछ मुद्दे सुलगा देते हैं आग? देखना अब ये है कि अपने आने वाले होर्डिंगों में वो विधायक जी की फोटो को लेकर क्या चलेंगे अपने साथ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि यूं तो बड़ी-बड़ी दर्द भरी शायरी पढ़ने से नहीं चूकते हैं भाजपा नेता प्रदीप चौहान? मगर हम देख रहे हैं एक बड़े मुद्दे पर खामोश है आजकल उनकी जुबान? सिल लिये हैं उन्होंने इस मैटर पर अपने होंठ? लगता है नहीं मारना चाहते हैं वो शब्दों की चोट? हम उनके शब्दों का इंतजार कर रहे हैं कानों की खोल कर खोली? हम देख रहे हैं जहां वो खामोश हैं वहां खूब बोल रहा है विकास महरौली?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि वैसे ही बैठे-बैठे हमने किये नदिया पार के हैवीवेट वालों के प्रिय हरीश चंद भैया के दीदार? हमने देखा ये कर्मठ चेहरा दशकों से संभाल रहा है कार्यालय का प्रभारी के रूप में प्रभार? फिर ऐसा सोचते हुए हमारे दिमाग में आया एक मोशन? हमारे दिल ने पूछा हैवीवेट वाले अपने इस प्रिय का कब करेंगे प्रमोशन? कब प्रभारी से अपने प्रतिनिधि के रूप में शर्मा जी को करेंगे प्रमोट? या जो है, जहां है, जैसा है और जिस जगह पर है, वहीं ठीक है? इस बारे में उन्होंने लिया है सोच?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि इसमें कोई शक नहीं कि भाजपा नेता डीडी यादव का है भगवागढ़ में सक्रियता का इतिहास? वो अध्यक्ष वाली दावेदारी में चेहरा भी रहे हैं खास? मगर ना जाने आजकल ऐसा क्या हुआ है कि उनके नहीं सुनाई दे रहे हैं अल्फाज? क्या वो चैनपाल जी की टीम में नहीं कर रहे हैं आने का प्रयास? क्या खत्म हो गया है उनका पहले जैसा जोश? क्या यही वजह है कि वो गये हैं अब खामोश?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि जैसे ही रोड़ा वाले एरिया के दो चेहरों के संगठन में आने के प्रयासों की चर्चा हुई है आम? तब से कुछ चेहरे दिल से दे रहे हैं दर्द-ए-दिल का पैगाम? कहने वाले कह रहे हैं सबकुछ इन दोनों को चाहिए साहब? बाकी क्या पार्टी में आये हैं छीलने के लिए घास? इन दोनों को कम से कम संगठन में तो किसी और को आने का देना चाहिए मौका? क्यों हर फील्ड पर ये मारना चाहते हैं चौका?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि यूजीसी वाले मैटर पर हम जानना चाहते हैं सपा वाले गर्ग भैया के भी विचार? हमने देखी है कई मुद्दों पर उनके शब्दों में धार? हम देखना चाहते हैं वो इस विषय पर क्या प्रकट करेंगे अपनी राय? क्योंकि हम जानते हैं वो हर विषय पर बोलते हैं? नहीं करते हैं वो कभी भी इस तरह से टाटा बॉय-बॉय?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

31 जनवरी को कविनगर में आयोजित होगा 'ऋतु रंग' कथक नृत्य समारोह

नूपुर कथक केंद्र की प्रस्तुति में ऋतुओं के रंगों का होगा मंचन

गाजियाबाद करंट क्राइम। नूपुर कथक केंद्र के तत्वावधान में 31 जनवरी 2026 को शास्त्रीय कथक नृत्य समारोह 'ऋतु रंग' का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम नूपुर संध्या श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित हो रहा है, जिसमें भारतीय ऋतुचक्र को कथक नृत्य के माध्यम से मंच पर साकार किया जाएगा। यह सांस्कृतिक प्रस्तुति रश्मि रथी कला वृंदा एवं देवध्वनि - ए सोसायटी ऑफ कथक के सहयोग से प्रस्तुत की जाएगी। आयोजन में शास्त्रीय नृत्य के विविध रंग, भाव, लय और अभिव्यक्ति का सुंदर समन्वय देखने को मिलेगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ललित जायसवाल होंगे। आयोजन समिति के अनुसार 'ऋतु रंग' के माध्यम से दर्शकों को कथक की पारंपरिक शैली के साथ-साथ ऋतुओं से जुड़े भावात्मक सौंदर्य का अनुभव कराया जाएगा। यह कार्यक्रम 31 जनवरी 2026, सायं 6:30 बजे से जानकी ऑडिटोरियम, रामलीला मैदान, कविनगर में आयोजित होगा।

आयोजकों ने कला प्रेमियों और नगरवासियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शास्त्रीय कला को प्रोत्साहित करने की अपील की है।

देश का सबसे प्रदूषित शहर गाजियाबाद बारिश के बाद भी नहीं सुधर रहे हालात

गाजियाबाद, करंट क्राइम। देश के 238 शहरों में मंगलवार को गाजियाबाद सबसे प्रदूषित रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार एक्यूआई गंभीर श्रेणी में 376 दर्ज किया गया। लोनी क्षेत्र जिले में सबसे प्रदूषित रहा। यहां का एक्यूआई 413 दर्ज किया गया। बारिश और तमाम प्रयासों के बाद भी प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर रोक नहीं लग पा रही है। वहीं, बूंदाबांदी का भी कोई खास असर देखने को नहीं मिला।

सोमवार को जिले का एक्यूआई 302 बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया था। मंगलवार को इसमें 74 अंक की बढोतरी दर्ज की गई। लगातार बढ़ते प्रदूषण के कारण लोग परेशान हैं। हालांकि मंगलवार को सुबह से ही बूंदाबांदी शुरू हो गई थी। शाम तक रूक-रूक कर बूंदाबांदी होती रही। इसका भी प्रदूषण पर कोई खास असर देखने को नहीं मिला। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि वर्षा या बूंदाबांदी का असर अगले दिन दिखाई देता है। बुधवार को एक्यूआई में गिरावट आएगी। जिले में इंदिरापुरम, वसुंधरा, लोनी व संजय नगर में प्रदूषण मापक यंत्र लगाए गए हैं। इनमें लोनी की हवा सबसे जहरीली बनी हुई है। यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 413 सबसे अधिक दर्ज किया गया। इसके अलावा इंदिरापुरम, संजय नगर व वसुंधरा की हवा बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई।

कांग्रेस ने डोली शर्मा को बनाया नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश में टैलेंट हंट का कोऑर्डिनेटर

गाजियाबाद। कांग्रेस ने राष्ट्रीय प्रवक्ता और गाजियाबाद लोकसभा की पूर्व प्रत्याशी डॉली शर्मा को राष्ट्रीय कार्यक्रम टैलेंट हंट हट के लिए नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा की ओर से बुधवार को यह नियुक्ति की गई। डॉली शर्मा के अलावा अनु पासवान को नागालैंड की कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी गई है इस पवन खेड़ा की ओर से जारी सूचना में बताया गया कि हरीशंकर को महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में टैलेंट हंट के कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी गई। कांग्रेस की ओर से अगली पीढ़ी के मीडिया प्रवक्ताओं को ट्रेनिंग देने के लिए नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम शुरू कर रही है। कांग्रेस ने कहा कि वह अगली पीढ़ी के मीडिया प्रवक्ताओं और पैनलिस्टों को ट्रेन्ड और सशक्त बनाने के लिए एक राष्ट्रीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम शुरू कर रही है।

कांग्रेसे के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम शार्प माइंट्स, निर्भीक आवाज और भारत के मूल तत्व के निडर रक्षकों के लिए एक लॉन्चपैड है। पवन खेड़ो ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अगर आप एक समावेशी और समृद्ध भारत के निर्माण में बोलने, नेतृत्व करने और योगदान देने के लिए तैयार हैं, तो यह आपके लिए सही समय है।

पार्टी एक राष्ट्रीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम शुरू कर रही है। एक ऐसा मंच, जो हमारी नई पीढ़ी के मीडिया प्रवक्ताओं एवं पैनल विशेषज्ञों को प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाएगा।

कमिश्नरेट पुलिस ने ऑपरेशन लंगड़ा के तहत फिरोजाबाद के वांछित आरोपी इरफान को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद, करंट क्राइम : थाना सिहानी गेट पुलिस और क्राइम ब्रांच स्वॉट टीम ने एक बार फिर अपने ऑपरेशन लंगड़ा के तहत सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने फिरोजाबाद के वांछित अपराधी इरफान को गिरफ्तार किया, जो लूट की घटनाओं में शामिल था। पुलिस ने आरोपी इरफान के कब्जे से लूटी गई कार, अवैध देसी तमंचा, जिंदा कारतूस, नगदी, और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। साथ ही, घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार भी जब्त की गई। इरफान के खिलाफ लूट और अन्य अपराधों के कई मामले दर्ज थे, और वर्तमान में वह लोनी में भी सक्रिय था।

पुलिस की सख्त कार्रवाई

करंट क्राइम : एसीपी नंदग्राम उपासना पांडे ने बताया कि ऑपरेशन लंगड़ा के तहत पुलिस लगातार अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए कड़ी कार्रवाई कर रही है। पुलिस कमिश्नर की दिशा-निर्देशों के तहत यह गिरफ्तारी की गई है, ताकि क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण पाया जा सके और नागरिकों को सुरक्षित रखा जा सके। थाना सिहानी गेट पुलिस इंस्पेक्टर कुलदीप दीक्षित और स्वॉट टीम प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल राजपूत की लगातार मेहनत और समर्पण के चलते इस आरोपी की गिरफ्तारी को संभव बनाया गया है, जो पुलिस की प्रभावी रणनीति और टीमवर्क को दशार्ता है।

इंटर स्कूल जिला एथलेटिक चैंपियनशिप में भागीरथ पब्लिक स्कूल के छात्र बने चैंपियन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम गाजियाबाद में 22 व 23 जनवरी को इंटर स्कूल जिला एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन जिला खेल कार्यालय के द्वारा किया गया। जिसमें जिले के सभी बोर्ड से संबंधित विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के द्वारा बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया गया। इस प्रतियोगिता में लगभग 3000 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तरीय जैवलिन थ्रोअर साक्षी शर्मा एवं राष्ट्रीय स्तर पदक विजेता व जूनियर रिकॉर्ड धारक लॉन्ग जंपर पंकज वर्मा व कैबिनेट मंत्री व सांसद अतुल गर्ग मौजूद थे। जिन्होंने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और भविष्य में अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि ने विजेता खिलाड़ियों को चमचमाती ट्रॉफी व मेडल प्रदान किये। प्रतियोगिता में खेल प्रशिक्षक विकाश भाटी का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यालय की प्रधानाचार्या दीप्ति रावत ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के निदेशक अमिताभ सुकुल और अनादि सुकुल ने छात्रों को प्रोत्साहन देते हुए कहा कि खेल छात्रों में एकता व अनुशासन की भावना लाते हैं। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों के द्वारा यह उद्घोषणा की गई कि जिन खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन किया है उनका चयन आने वाली प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।